





बीए-बीएड व बीएससी-बीएड के साथ अब बीकॉम-बीएड की तैयारी, वाणिज्य के छात्रों को ही दाखिला

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को भी अब चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड करने का मौका मिलेगा। अंदरूनी सुत्रों के अनुसार, इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इस पर शीघ्र ही अधिसूचना जारी कर दी कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत द्विवर्षीय बीएड पाठ्यक्रमों को समाप्त किए जाने की घोषणा पहले ही हो चुकी है। इसके स्थान पर छात्रों के लिए इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम लाया जा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत समाप्त किया जा रहा है द्विवर्षीय बीएड पाठ्यक्रम

उच्च शिक्षा विभाग तय करेगा पादयक्रम

एक अन्य बदलाव करते हुए बीएड पाठ्यक्रम को उच्च शिक्षा विभाग के अधीन किए जाने की तैयारी है। इसके कार्यान्वयन और समीक्षा के लिए पांच सदस्ययी कमेटी बनाई गई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रमों का संचालन जिन महाविद्यालयों में होता है, वे उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं, लेकिन इन महाविद्यालयों में संचालित होने वाले बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रमों की काउंसिलिंग प्रक्रिया राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा पूर्ण की जाती है। प्रत्यके वर्ष इसमें विलंब होने से विपरित परिस्थितियां निर्मित हो रही थी। यही वजह है कि इसकी काउंसिलिंग सहित पाठ्यक्रम निर्धारण भी उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत होगा।



एनसीटीई से लेनी होगी मंजूरी

नेशनल काउंसिल फॉर टीचर्स एजुकेशन अर्थात एनसीटीई की अनुमति भी इसके संचालन के लिए लेनी होगी। जिन महाविद्यालयों द्वारा इसका संचालन किया जाएगा. उन्हें अनुमति के लिए एनसीटीई को आवेदन करना होगा। नियमानुसार निरीक्षण सहित अन्य प्रक्रियाएं पूर्ण होने पश्चात बीकॉम-बीएड की शुरुआत होगी। वर्तमान में कुछ शासकीय संस्थाना में बीए-बीएंड और बीएससी-बीएंड का संचालन हो रहा है। इनकी प्रदेश में 100 सीटें हैं। बीकॉम-बीएड की सुविधा छात्रों को अगले सत्र से मिल सकती है।

रहा है। अब तक विद्यार्थियों को स्नातक की पढाई पर्ण करने पश्चात दो वर्षीय बीएड पाठयक्रम करने का विकल्प दिया

इंटीग्रेटेड बीएड के अंतर्गत छात्रों को बारहवीं के बाद ही बीए-बीएड अथवा बीएससी-बीएड में दाखिला लेना होता था। कला संकाय से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को बीए-बीएड तथा विज्ञान संकाय से हायर सेकंडरी उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को बीएससी-बीएड का विकल्प दिया जाता रहा है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 से इसकी शुरुआत की गई थी। इसी तर्ज पर वाणिज्य संकाय लेकर 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को बीकॉम-बीएड का विकल्प मिलेगा।

जम्मू डिवीजन में निर्माण कार्य के चलते ६ मार्च तक रद्द की गई जम्मू तवी विस्तारित उधमपुर की ट्रेन

उधमपुर एक्सप्रेस रद्द, जम्मू तवी जाना मुश्किल अब 6 मार्च तक वैष्णोदेवी के लिए ट्रेन नहीं

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

जम्मूतवी रेलवे स्टेशन पर पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। यही कारण है कि 6 मार्च तक पठानकोट, जम्म तवी, उधमपुर और कटरा

■ पहले 10 दिनों के लिए रद्द हुई थी ट्रेन, फिर 2 माह तक बढ़ा

जाने वाली 65 प्रमुख ट्रेनें रद्द हो गई हैं। ट्रेनें रद्द होने से माता वैष्णो देवी के दरबार तक जाने का प्लान कर

श्रद्धालुओं की समस्या बढ़ गई है। रायपुर से जम्मू तवी के लिए दो ट्रेनों का परिचालन होता है, जिसमें उधमपुर एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। बता दें कि पूर्व में रेलवे ने 2 जनवरी को नोटिफिकेशन जारी करते हुए जम्मूतवी को 10 जनवरी तक रद्द करने का आदेश दिया गया था, जिसमें विस्तार करते हुए 2 माह बढ़ा दिया गया है। इस ट्रेन के पहिए थमने के कारण रायपुर से लेकर जम्मू तवी तक जाने वाले हजारों यात्रियों का सफर प्रभावित हुआ है।

जोन और प्रदेश स्तर पर चलने वाली जम्मू तवी विस्तारित उधमपुर एक्सप्रेस में यात्रियों की सबसे अधिक भीड़ रहती है। इस ट्रेन को रेल प्रशासन ने अधोसंरचना के नाम 10 जनवरी तक बंद करने का आदेश जारी किया गया था। आदेश के अनुसार उत्तर रेलवे के जम्म तवी स्टेशन में यार्ड रिमॉडलिंग एवं अन्य संरक्षा संबंधित कार्य के कारण पॉवर ब्लॉक लेने 🙌 शेष पेज 11 पर



मंडल के 20 हजार से अधिक यात्री प्रभावित

सप्ताह में प्रति मंगलवार और बुधवार को छत्तीसगढ़ के दुर्ग से रवाना होकर रायपुर, भाटापारा, दाधापारा से डायवर्ट होते हुए उसलापुर से कटनीं, मुड़वारा होकर जम्मू तवी विस्तारित उँधमपुर जाने वॉली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सामान्य यात्रियों के अलावा सबसे अधिक भीड़ मजबूरों की रहती है। इस ट्रेन में सफर करने के लिए यात्री रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा व अन्य जिलों से भी स्टेशन तक पहुंचते हैं, जिन्हें दिल्ली, अंबाला 🙌 शेष पेज 11 पर

जम्मू के पहले रोकी जा सकती हैं ट्रेनें

जम्मू तवी विस्तारित उधमपुर तक जाने वाली साप्ताहिक टेन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की एकमात्र ऐसी ट्रेन हैं, जिसमें जनरल कोच से लेकर स्लीपर और एसी कोच में भी यात्रियों की सबसे अधिक भीड़ रहती है। कमाने-खाने के लिए जाने वाले मजदूरों के अलावा दिल्ली और अन्य मेट्रो स्टेशन तक जाने वाले बच्चे भी इसी ट्रेन में सफर करते हैं, जिसकी वजह से ट्रेन में कई बार वेटिंग टिकट भी क्लीयर नहीं हो पाता है। ट्रेन के रह होने से प्रभावित यात्रियों का 🕦 शेष पेज 11 पर

इन तारीखों में रद्द रहेगी ट्रेन

उत्तर रेलवे फिरोजपूर रेलमंडल में जम्मू तवी रेलवे का री-डेवलपमेंट कार्य के लिए नान इंटरलॉकिंग एवं ब्लॉक लेकर किया जाएगा, जिसके कारण दक्षिण पर्व मध्य रेलवे से चलने और 10 मार्च तक रह्व की जाने वाली साप्ताहिक जम्मू तवी विस्तारित उधमपुर एक्सप्रेस को दो नाह के लिए एक्सटेंशन करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनसार 15. 22. 29 जनवरी. 5. 12. 19. 26 फरवरी को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या २०८४७ दुर्ग-उधमपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 17, 24, 31 जनवरी, 7, 14, 21, 28 फरवरी को उधमपुर से रवाना होने वाली 20848 उधमपुर-दुर्ग सुपरफास्ट एक्सप्रेस 14, 21, 28 जनवरीं, 4, 11, 18, 25 फरवरी एवं ४ मार्च को दुर्ग से रवाना होने वाली 12549 दुर्ग-उधमपुर सुपरफास्ट रह्व रहेगी।

टंड की वापसी में व्यवधान जारी, छोटी होने लगी रात

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

राज्य में जोरदार ठंड की वापसी की संभावना बेहद कम हो चुकी है। इसका एकमात्र सहारा

उत्तर से आने वाली शुष्क हवा है। रात छोटी होने की वजह अब तापमान में गिरावट आने के लिए वक्त कम हो रहा है। इसके अलावा पश्चिमी

वृद्धि होने की संभावना बनी हुई है। अभी ठंड पुरी तरह खत्म तो नहीं होगी, मगर कड़ाके की ठंड की संभावना काफी कम हो चुकी है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना तापमान में है कि अब दिन की लंबाई बढ़ रही है, जिसकी वजह से न्यनतम तापमान को गिरावट का ज्यादा समय नहीं मिल पा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से आने

विक्षोभ का व्यवधान भी जारी है। वाली नमीयुक्त हवा के प्रभाव से भी अगले तीन दिनों तक तापमान में रात का तापमान 📦 शेष पेज 11 पर

एस:आर.परामाडकल कालज छ.ग. शासन के पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त प्रवेश प्रारंभ उपलब्ध पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स

🔹 ऑपरेशन थियेटर टेविनशियन पैथोलॉजी लैब टेविनशियन

एक्स-रे टेविनशियन

काउंसलर का मोबाईल नं.-7880102604 चिखली, पोस्ट-जेवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

सरकारी नौकरी हेतु मान्यता

खबर संक्षेप

लेबर सप्लाई के नाम पर **ढगी. आरोपी गिरफ्तार**



राजधानी के कारोबारी से ठगी करने वाला मुंबई का अफसर अली गिरफ्तार हो गया। कारोबारी ने विश्वास में आकर उसे किस्तों में 46.20 लाख रुपए दिए थे। प्रार्थी रीच स्टील प्रायवेट लिमिटेड कंपनी का संचालक है, जिसका ऑफिस शॉप नंबर 120 पिथालिया प्लाजा केके रोड में स्थित है। आरोपी अफसर अली द्वारा प्रार्थी से संपर्क कर यह कहा गया कि यदि उसके बताए अनुसार पेमेंट भेजेगा तो वह प्रार्थी को उसके वेयर हाउस के लिए लेबर सप्लाई करेगा। उसकी बातों पर विश्वास कर प्रार्थी ने रकम भेजी, मगर लेबर नहीं मिले। रकम वापस मांगी गई, तब अफसर अली ने प्रार्थी को पैसे वापस न करते हुए टालमटोल की और अपना फोन बंद कर दिया।

खत्म हुआ एचएमपी वायरस का डर, कमेटी बनी, पर एक केस नहीं आया सामने

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

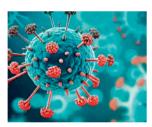
चाइना ठंडे इलाके में असर दिखाने वाला एचएमपी वायरस का डर अब खत्म होने लगा है। देश में आंकडा दो ■ को-मार्बिडिटी दर्जन तक नहीं

पहंच पाया वालों को वहीं प्रदेश में सावधानी बरतना जरूरी

इसका खाता भी नहीं खुला है। दस दिन पहले बनाई गई निगरानी कमेटी के पास

अब तक एक भी केस नहीं पहंचा है। चिकित्सकों का तर्क है प्रदेश में संक्रमण की संभावना बेहद कम है. मगर को-मार्बिडिटी वालों को थोडी सावधानी बरतना जरूरी है। गुजरात, हैदराबाद, बेंगलुरु सहित

कछ अन्य शहरों में इसके केस मिलने के बाद केंद्र सरकार के अलर्ट पर राज्य में भी इस वायरस की निगरानी के लिए दस दिन पहले कमेटी का गठन किया गया था। विशेषज्ञों ने राज्य में इसका असर नहीं होने का अनुमान पहले ही लगाया था। तर्क दिया गया था कि यह वायरस पराना है



बुखार, खांसी से ज्यादा नही इस वायरस के बारे में पहले ही यह

स्पष्ट हो गया था कि यह किसी तरह से खतरनाक नहीं है। एचएमपीवी सांस संबंधी तंत्रिकाओं को ज्यादा प्रभावित करता है। इसके लक्षण बुखार. खांसी और सांस लेने से ज्यादा नहीं होता है। अगर पृथक रूप से इसका टेस्ट नहीं किया जाए तो मौसमी समस्या और इस वायरस के इंफेक्शन में अंतर करना भी काफी मुश्किल है।

और खतरनाक नहीं है। कमेटी पिछले दस दिन से अस्पतालों में आने वाले इंफ्लुएंजा के मामलों की निगरानी कर रही है, मगर ऐसा एक भी केस उन तक नहीं पहंचा है. जिसे एचएमपी वायरस की श्रेणी में रखा जाए। दूसरी ओर अन्य राज्यों में भी इसके मामले बेहद कम हो चुके हैं, इसलिए अब 🗪 🕥 इसके विस्तार की संभावना काफी कम है।

रेस्पिरेटरी विभाग के विशेषज्ञ डॉ. आरके पांडा का कहना है कि अभी ठंड का मौसम है, इसलिए पुरानी बीमारी से पीडित और पांच साल से कम तथा 60 साल से अधिक आयु वालों को थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। सर्दी-खांसी से पीडित लोगों से थोडी दुरी बनाए रखने की जरूरत है।

कई समस्याओं का समाधान मास्क

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, विभिन्न तरह की संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए मास्क का उपयोग कारगर है। श्वांस संबंधी रोगों से पीड़ितों को धूल-धक्कड से बचने के लिए मास्क का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। कोरोनाकाल में संक्रमण से बचाव के लिए मास्क को भी बड़ा हथियार माना गया था। एचएमपीवी सहित रेस्पेरिटरी समस्याओं से बचाव के लिए सफाई और मास्क को ही कारगर माना गया है।

कोलकाता के प्रिंटर्स ने छापे थे २०२१ के प्रश्नपत्र

घोटाले के बाद भी नहीं बदला गया प्रिंटर, जिसके लिए पेपर लीक, उसके एनजीओ में पैसे

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

पीएससी मख्य सेवा भर्ती परीक्षा 2021 में हुए घोटाले के दौरान कोलकाता के जिस एकेडी प्रिंटर्स नीतेश सोनवानी भी उस एनजीओ

का छपाई का ठेका दिया गया था, उसे का हिस्सा, ही दूसरे वर्ष अर्थात जिसमें गलत पीएससी-2022 में तरीके से डाली हुई परीक्षाओं की छपाई का ठेका

दिया गया था। हालांकि प्रश्नपत्र छपाई संबंधित सारी चीजें गोपनीय होती है और इसे सार्वजनिक नहीं किया जाता है। चुंकि घोटाले की जांच चल रही है, इसलिए ये बातें सामने आई हैं। सीबीआई ने अपनी अब तक की जांच



में पीएससी-2021 घोटाले में प्रिंटर्स को दोषी नहीं माना है। अतः घोटाले के दूसरे साल भी उसी प्रिंटर को ठेका दिए जाने पर किसी तरह की आपत्ति अब तक नहीं मानी गई है। प्रिंटिंग प्रेस के अरूण कुमार द्विवेदी को भी सीबीआई ने अपना गवाह बनाया है। वे कोलकाता के रहने वाले हैं। तत्कालीन पीएससी अध्यक्ष टॉमन सिंह सोनवानी के करीबियों द्वारा 渊 शोष पेज 11 पर

साक्षात्कार में भी उच्चतम अंक

पीएससी घोटाले में जो चयनित उम्मीदवार फंसे हैं, उन्हें ना केवल प्रारंभिक परीक्षाओं तथा मुख्य सेवा परीक्षाओं में अच्छे अंक मिले हैं बल्कि साक्षात्कार में भी अन्य की तुलना में बेहतर अंक मिले हैं। ऐसे में इस बात को लेकर भी संदेह हो रहा है कि उन्हें साक्षात्कार कमेटी में शामिल सदस्यों ने पहले से ही

सवाल बता दिए थे अथवा साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उनके अंकों में हैंरफेर की गई है। गौरतलब है कि 2021 में सामने आए इस घोटाले के बाद ही पीएससी ने अपनी अंक निर्धारण प्रक्रिया में बदलाव किया था। साक्षात्कार के अंक घटाए गए थे।

परीक्षा नियंत्रक को सरकारी गवाह बनाए जाने की चर्चा

इस चर्चा है कि घोटाले के वक्त परीक्षा नियंत्रक रही आरती वासनिक को सीबीआई सरकारी गवाह बना सकती है। सीबीआई द्वारा पेश की गई चार्जशीट में आरती वासनिक का जिंक पिंटर्स से छपाई संबंधित कार्यों के लिए संपर्क करने सहित अन्य कार्यालयीन कार्यों में तो किया है लेकिन फिलहाल उन्हें आरोपी घोषित नहीं किया गया है और ना ही गिरफ्तार किया गया है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, सीबीआई उन्हें सरकारी गवाह

बना सकती है।



अनिवार्य होगा।5. जन्मदिन फार्मेट की फोटो कापी मान्य नहीं होगी।6. राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लाग होंगे।इस योजना के विजेता को आयक

के नियम व शर्ते मान्य होगी। हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा। हरिभूमि कर्मचारी

ग्राहक प्रति

जन्मदिन उत्सव

र्जेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। 7. चित्र में दर्शाए गए उपहार भिन्न हो सकते है।

हरिभामि

स्थान _

पिता का नाम

एजेंसी का नाम

एजेंसी का पता



पीडब्ल्यूडी के एक्शन में भी भ्रष्टाचार

मोवा ओवर्रब्रिज के सुधार के दौरान डामरीकरण और निर्माण की खराब क्वालिटी के मामले में अफसरों पर निलंबन की गाज गिरी, पर ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बताया जाता है कि जिस ठेकेदार को निर्माण का काम दिया गया, वह विभाग प्रमुख के खास हैं। डामर और निर्माण की सामग्री ठेकेदार ने सडक पर लगाई। ठेकेदार ने कम ग्रेड का डामर डाला, जो ठंड में उड़ गई। मीडिया ने खबर चलाई, तब मंत्री और अफसरों को पता लगा। विभाग प्रमुख जिन्होंने पूरे सर्विस काल में केवल ब्रिज और एनएच में काम किया। बी एण्ड आर में कभी काम नहीं किया। उन्हें मौका मिला और उन अफसरों को निपटा दिया, जिनसे उनकी पटरी नहीं बैठती, इसे कहते हैं, मौके पर मारा चौका।

गली-मोहल्लों में पत्याशियों की बाढ

अब नगरीय निकाय चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सरकार ने भी अपने पैतरें बदले और ईवीएम पर आकर रुक गए हैं। इधर बार-बार तारीख बदलने से लोगों को बेचैनी होने लगी। उन्हें लगने लगा कि चनाव आखिर कब होगा। अब सरकार ने अपनी गलती सुधार ली, एक-दो दिनों में आयोग तारीख जारी कर देगा। उसके पहले ही रायपुर के गली-मोहल्लों में प्रत्याशियों की बाढ़ आ गई है। एक दर्जन से अधिक लोग नए साल के बहाने होर्डिंग लगाकर लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। व्यक्तिगत तौर पर यह चुनाव लोगों के संपर्क और उनके संबंधों पर ही होने हैं। यहां पार्टी मायने नहीं रखती। घर-घर जाकर अपनी उपस्थिति दे रहे हैं।

कभी न खत्म होने वाली जांच

अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग में कभी खत्म नहीं होने वाली जांच चल रही है। प्रताड़ित परिवार कई अधिकारियों और मंत्री के चक्कर लगा चुका है, मगर अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है। कभी उन्हें ओहदेदार अफसर के पास फाइल होने का बहाना बनाया जाता है तो भी जांच के नए बिंदु तय होने का झांसा दिया जाता है। विभाग के अनुभवी अफसर का कहना है कि करीब चार माह पहले हुई इस लापरवाही का संबंध एक बड़े कार्पोरेट अस्पताल से है, जिसके आगे सभी अधिकारी नतमस्तक हैं।

बिना पंजीयन वाले डॉक्टर

स्वास्थ्य विभाग में संविदा आधार पर डॉक्टर बनाने बडा खेल हो गया। सरकारी सेवा में ऐसे लोगों का चयन कर लिया गया, जिनका छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल में पंजीयन ही नहीं था। मामला रायपुर जिले के सरकारी अस्पतालों में संबंधित था, मगर नियुक्ति का खेल राज्य स्तर पर हुआ था। प्रकरण में राज्य स्तर बड़े अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है और छोटे अधिकारी कुछ बोल नहीं पा रहे हैं। मंझोले अफसर मामले को ठंडा करने के लिए जांच कराने का दावा कर रहे हैं।

दवा निगम की लाइलाज बीमारी

दवा निगम में मोक्षित कारपोरेशन का जिन्न बार-बार बाहर निकलकर अफसरों को डरा देता है। खबरी बता रहा था कि पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर हाथ धोकर पीछे पड़ गए हैं। वे रायपुर से दिल्ली तक जोरदार हमले कर रहे हैं। कुछ दिन पहले मुश्किल से मामला ठंडे बस्ते में गया था लेकिन फिर जिन्न बाहर आने वाला है। इस बार कांग्रेस इस मामले में शीतकालीन सत्र से पहले हंगामा करने की तैयारी में हैं। होगा यह कि मोक्षित का जिन्न तो बाहर आएगा ही, साथ में दवा निगम के काले कारनामों को भी साथ में बाहर लाएगा। दवा निगम की लाइलाज बीमारी का क्या इलाज करें, यह ऊपर वाले भी समझ नहीं पा रहे हैं।

हड़बड़ी में गड़बड़ी

फिल्म स्टार सैफ अली खान पर मुंबई में हमले के मामले में छत्तीसगढ़ की आरपीएफ ने दिखाई कुछ ज्यादा ही सक्रियता दिखा दी। आरपीएफ ने मुंबई से यहां आकर अपने निनहाल जांजगीर-चांपा जा रहे ट्रेन सवार युवक को बिना पड़ताल के पकड़ लिया। सैफ के यहां दो दिन पहले हमला हुआ। सीसीटीवी में जो आरोपी दिखा उसकी मूंछ नहीं थी। लेकिन जो छत्तीसगढ़ में पकड़ा गया उसकी मूंछें थीं। दो दिन में घनी मूंछें कहां से आईं? यह भी पुलिस ने नहीं सोचा। देशभर में खबरें भी चल गईं कि सैफ का हमलावर छत्तीसगढ़ में पकड़ा गया है, लेकिन जरा-सी पूछताछ में ये साफ हो गया है कि ये युवक हमलावर नहीं है। युवक को पकड़कर घुटने टिकवाकर आरोपी की तरह तस्वीरें भी खिंचवा डॉलीं, लेकिन अब आरपीएफ की बड़ी किरकिरी उसी अतिसक्रियता को लेकर हो रही है।

अंदर का भ्रष्टाचार

राज्य की सरकार में रहते हुए कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के इतने आरोप लगे हैं कि सरकार जाने के बाद भी अब तक आरोपी, थाने, कोर्ट कचहरी और जेल के दरवाजों पर हैं। इन घपले-घोटालों की बातों का असर कांग्रेसियों पर इस कदर हावी है कि उन्हें पार्टी संगठन के कामकाज में भी गडबड़ी और रिश्वतखोरी नजर गती है। हाल की बात है कि कांग्रेस ने तय किया कि बागी और निष्कासिल कांग्रेसियों को वापस लेने के लिए कमेटी बनेगी। इसमें भी लेनदेन के आरोप लगने लगे हैं। चौक वाले नेताजी ने संगठन पर पैसे लेकर वापसी कराने का आरोप लगा दिया। जानकार इसे एडवांस आरोप के रूप में देख रहे हैं।

मेंबर ट्रिक ...

वार्ड मेंबरी के चुनाव में इस बार कॉर्पोरेशन के एक्स मेंबर नया-नया ट्रिक आजमाने तैयार बैठे हैं। एमएलए का टिकट नहीं मिलने से सेंसेटिव एक्स मेंबर ने इस बार वार्ड मेंबरी का चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। वे खुद चुनाव नहीं लड़ रहे, पर अपने इलाके से सटे 10 वार्डों में अपनी पसंद के प्रत्याशी उतारेंगे। ये वहीं कैंडिडेट हैं, जो 10 साल से उनके साथ रहकर सुख-दुख के समय में डंडा और झंडा लेकर चले हैं, यानी बैक डोर से अपने चंग-मंग को नेता बनाकर पैतरे आजमाएंगे। वहीं एक्स खाटी एमआईसी मेंबर ने तो अपना रिजर्वेशन छिनने के बाद उसी इलाके के कार्यकर्ता को कैंडिडेट बनाकर कैंपेनिंग भी शरू कर दी। अपने लिए वे पुराने वार्ड में दौड-धुप कर रहे हैं, यानी खुद जीते तो मेंबर बनना ही है, नहीं जीते तो कार्यकर्ता को मेंबर बनाने का फार्मला है।

भाजपा आगे-आगे. कांग्रेस पीछे-पीछे

नगरीय निकाय के चनाव आने वाले हैं। भाजपा की रफ्तार देखने लायक है। मतलब ऐसा लग रहा है जैसे विधानसभा या संसद का चनाव होने वाला हो। हर दिन बैठकें हो रही हैं। दिल्ली से आकर दिग्गज यहां वालों की क्लास ले रहे हैं। एक-एक बूथ का हिसाब अभी से लगाया जा रहा है। क्या छोटे और क्या बड़े, सभी नेताओं को काम थमा दिया और उसके बाद पूछा जा रहा है बताओ कितना काम हुआ? भाजपा का संगठन एक्टिव है ही और उस पर प्रदेश में सत्ता पर भी काबिज है। और कांग्रेस...? ऐसे में ईवीएम पर आरोप मढ़ने के अलावा क्या रास्ता बचेगा।

मैं तो आरती उतारूं रे...

इस मतलबी दुनिया में लोग ईश्वर के अलावा किसी की आरती तब ही उतारते हैं, जब उन्हें अपना काम सिद्ध होता हुआ दिखाई दे। अब पीएससी जांच मामले में ही एक लीजिए। मामले में एक उच्च अधिकारी महिला के फंसने की पूरी-पूरी आशंका थी। अब सुनने में आया है कि उक्त महिला को जांच एजेंसी सरकारी गवाह बनाने की तैयारी में है। कार्रवाई की जगह महिला की आरती इसलिए उतारी जा रही है क्योंकि सभी राज उनके मस्तिष्क में वास कर रहे हैं। अब आप खुद ही दिमाग लगा लीजिए कि आखिर वो है कौन, जिनके नियंत्रण में जांच की यह कठिन परीक्षा हो रही है।

मेरा क्या होगा, सोचो तो जरा

आपको क्या लगता है कि तकलीफें सिर्फ आपकी जिंदगी में ही हैं? नहीं, नहीं. सबके जीवन में है। अब एससीईआरटी वालों से ही पूछ लीजिए। उनके हाथ से बीएड कॉलेज जा रहे हैं। अब ये उच्च शिक्षा विभाग के अधीन होंगे। तैयारी पूरी हो चकी है. बस कागजों में औपचारिकता होनी बाकी है। इस नए नियम के बाद एक एक धड़ा है जो है वो दुखी है। क्या है कि इस विभाग में ऐसे भी सूखा पड़ा रहता है। थोड़ा-बहुत जो यहां-वहां से आ रहा था, वो भी अब बंद। बेचारे इन दिनों दुखी मन से गुनगुना रहे हैं, मेरा क्या होगा, सोचो तो जरा... हाय यूं ना...।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

भूपेश सरकार का फैसला पलटा, फिर स्वसहायता समूहों के हवाले 'रेडी-टू-ईट'

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने स्वसहायता समूहों को फिर सौंपा 'रेडी-टू-ईट' का काम देकर भूपेश सरकार का फैसले को बदल दिया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2022 को महिला स्वसहायता समूह से रेडी-टू-ईट का काम छीनकर इसकी जिम्मेदारी निजी कंपनी को सौंपी थी।

कैबिनेट की बैठक में रविवार को कांग्रेस सरकार के फैसले को बदलते हुए फिर से महिला स्वसहायता पांच जिलों में यह काम स्वसहायता समूहों को दिया जाएगा

३० हजार से अधिक महिला स्वसहायता समह

छत्तीसगढ में 30 हजार से अधिक महिला . स्वसहायता समूह हैं। बघेल सरकार के रेडी-ट-ईट निर्माण का फैसला निजी कंपनी को सौंपे जाने के फैसले के खिलाफ महिलाओं ने प्रदर्शन किया था। महिलाओं का कहा था कि सरकार के इस फैसले से तीन लाख परिवारों के सामने रोटी का संकट खड़ा हो सकता है। भाजपा ने चुनाव के समय महिला स्वसहायता समूह को पोषण आहार निर्माण का काम देने की घोषणा की थी, जिसे पुरा किया गया है।

समूहों को रेडी-टू-ईट निर्माण का काम सौंपने का निर्णय लिया गया। पहले चरण में रेडी-टू-ईट निर्माण का कार्य 5 जिलों में महिला स्वसहायता समूहों को दिया जाएगा। आगे क्रमशः अन्य जिलों में भी महिला स्वसहायता समृहों को दिया जाएगा। भाजपा ने उस समय सरकार के निर्णय का विरोध किया था। बीजेपी की सरकार सत्ता में आने के बाद विधानसभा में विभागीय मंत्री महिला लक्ष्मी राजवाड़े ने कांग्रेस सरकार की गलती को सुधार कर फिर से रेडी-टू-ईट बनाने का काम महिला स्वसहायता समूहों को सौंपने की घोषणा की थी।

तेलीबांधा थाने से आंबेडकर चौक तक आक्रोश रैली निकालने के दौरान पुलिस ने बीच में रोक दिया

सड़क पर उतरे बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षक, परिवार के साथ किया चक्काजाम, देर रात बस में तूता भेजा







हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

बर्खास्त किए गए बीएड सहायक शिक्षक और परिजनों ने रविवार को राजधानी में पैदल मार्च किया। हड़ताली सहायक शिक्षक तेलीबांधा के मरीन ड्राइव से घड़ी चौक स्थित आंबेडकर प्रतिमा स्थल तक आक्रोश रैली निकालने जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें मरीन ड्राइव के पास रोक दिया।

प्रदर्शनकारी समायोजन की मांग को लेकर सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते रहे। इसके चलते एसआरपी स्थिति बनी रही, जिससे लोग खासे परेशान रहे। **हरिभूमि सरोकार** पलिस ने पटर्शनकारियों को सम्बन्धित पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। देर रात पुलिस ने आंदोलन कर रहें शिक्षकों को जबरिया पकड़कर बस में बैठाया। इस दौरान खींचतान में कुछ महिलाएं बेहोश भी हो गईं। और उनके परिजन चीख पुकार मचाते रहे। आखिरकार उन्हें नवा रायपुर स्थित तूता धरनास्थल भेज दिया गया। प्रदेशभर के बीएड सहायक शिक्षकों ने

सेवा सुरक्षा की मांग और बर्खास्तगी का आदेश वापस लेने सहित समायोजन की मांग को लेकर राजधानी में आक्रोश रैली निकाली। तेलीबांधा थाने से घडी चौक के पास आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने जा रहे बर्खास्त सहायक शिक्षकों को पुलिस ने मरीन ड्राइव के पास रोक दिया। इस दौरान सहायक शिक्षकों ने सड़क पर बैठकर जमकर नारेबाजी की। हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर आक्रोश रैली में भाग लेने बड़ी संख्या में प्रभावित बीएड धारी सहायक शिक्षक अपने परिजनों के साथ राजधानी में एकत्रित हुए।

जमकर नारेबाजी, सड़क पर परिजनों के साथ प्रदर्शन, ट्रैफिक जाम से वाहन चालक हुए परेशान

मंत्री बंगला भी घेर चुके हैं बर्खास्त शिक्षक

बर्खास्त शिक्षकों ने एक दिन पहले वित्त मंत्री ओपी चौधरी के बंगले का घेराव किया था। समायोजन की मांग को लेकर अविश्चितकालीव आंदोलन कर रहे शिक्षक शनिवार तड़के कड़कड़ाती ठंड में वित्त मंत्री ओपी चौधरी के बंगले पहुंचे थे। और गेट के बाहर बैठकर नारेबाजी की। जब वे वहां से नहीं उठे तो पुलिस ने उन्हें बलपूर्वक हटाया और प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर शहर से बाहर ले गए। इसके

बाढ शिक्षकों का

प्रदर्शन जारी रहा।



- हाईकोर्ट ने सहायक शिक्षकों के पढ़ के लिए केवल डीएड डिग्री होल्डर को ही उपयुक्त माना है।
- रह्र करने का आदेश दिया है। **a** कोर्ट ने 10 दिसंबर 2024 को 2 सप्ताह के अंदर यह
- प्रक्रिया पूरी करने कहा है। इससे बीएड धारी 2900 सहायक शिक्षकों की नौकर्र
- खतरे में आ गई है। बर्खास्तनी आदेश पर रोक और न्यायपूर्ण अवसर की मांग सहित समायोजन करने प्रभावित सहायक शिक्षक आंदोलन कर रहे हैं।

नवा रायपुर के तुता स्थित धरनास्थल पर बीएड धारी बर्खास्त सहायक शिक्षक समायोजन की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। विगंत एक माह से प्रदेशभर के 2900 बीएडधारी सहायक शिक्षक नौकरी बचाने आंदोलन कर रहे हैं। भुक्तभोगी शिक्षिकाओं का कहना है कि सहायक शिक्षक पढ़ पर वे कार्यरत थे, उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है। हमें समायोजन करना चाहिए। समायोजन के लिए जो कमेटी

समायोजन की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन



नगर निगम अगले माह जारी करेगा १५० करोड़ के बांड

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

रायपुर नगर निगम फरवरी माह में 150 करोड़ के निगम बांड जारी करेगा। इसके पहले चरण में प्राइवेट सेक्टर को चुना गया है। निजी क्षेत्र में जारी होने वाले बांड पर 8 से 9 फीसदी ब्याज का भुगतान होगा। वहीं इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से 2 फीसदी की सब्सिडी भी मिलेगी, यानी नगर निगम को 8 फीसदी ब्याज दर पर 6 फीसदी और 9 फीसदी ब्याज पर ७ फीसदी ब्याज देना होगा। बांड को लेकर ऑडिट पूरा हो चुका है। इसके साथ ही प्रोजेक्ट का



- पहले चरण में प्राइवेट सेक्टर पर फोकस
- 8 से 9 फीसदी ब्याज भुगतान करेगा
- प्रोजेक्ट का डीपीआर तैयार

डीपीआर भी तैयार है। देशभर के 28 नगर निगमों की तर्ज पर अब रायपुर नगर निगम बांड जारी करने वाला 29 नगर निगम बनने जा रहा है।

<u>ऑडिट पुरा, 15 फरवरी से पहले जारी हो सकता है बांड</u>

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, बांड को लेकर ऑडिट का काम पूरा हो चुका है। प्राइवेंट सेक्टर में जारी होने वाले इस बांड के लिए पिछले दिनों मुंबई के पीआरपी प्रोफेशनल एज प्राइवेट के अध्यक्ष गौरव कुटे और इंदौर के मुकूल गुप्ता चार्टर्ड एकाउंटेंट संतोष मुच्छाल के साथ नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा की चर्चा भी हुई थी, जिसके बाद बांड से जुड़े दस्तावेज तैयार किए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई। सूत्रों के मुताबिक, 15 फरवरी से पहले कभी भी बांड जारी हो सकता है।

ओबीसी आरक्षण पर कांग्रेस ने कहा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए सरकार नगरीय प्रशासन में अनुकंपा



हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस लगातार भाजपा को कटघरे

में खड़ा कर रही आरक्षण पर है। कांग्रेस का सियासत आरोप है कि जारी, की सरकार कांग्रेस की वर्तमान आरक्षण मांग-प्रक्रिया के चलते प्रदेश में ओबीसी वर्ग को नुकसान हआ है। कांग्रेस

सरकार आरक्षण रद्द कर फिर से प्रक्रिया पूरी की मांग है कि करे भाजपा सरकार

आरक्षण रद्द कर फिर से आरक्षण प्रक्रिया पूरी करे। चुनाव में ओबीसी

परिस्थिति के अनुसार लड़ते हैं चुनाव

उन्होंने कहा, अनारक्षित सीटों में तो सामान्य, एससी, एसटी, ओबीसी कोई भी लंड सकता है। जहां पर जैसी परिस्थित होती है, लोग लडते भी हैं। इसमें भाजपा क्या अहसान कर रही है। भाजपा का अहसान नहीं, बाबा साहब के संविधान द्वारा दिया गया आरक्षण का अधिकार ओबीसी वर्ग को चाहिए।

आरक्षण की मांग को लेकर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने कहा, ओबीसी वर्ग के आरक्षण को बहाल किया जाए। अगर इसके लिए अध्यादेश लाना पड़े तो लाया जाए। विधानसभा का विशेष सत्र भी बुलाना पड़े तो बुलाया जाए।

मुख्यमंत्री साय आज प्रदान करेंगे नियुक्ति आदेश

के ३५३ पदों को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 20 जनवरी को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम आयोजित कार्यक्रम में नगरीय निकायों में सेवाकाल के दौरान मृत कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियक्ति का आदेश सौंपेंगे। विभाग द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों में अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों पर संवेदनशीलता से विचार करते हुए पूर्व कर्मियों के परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने 353 नए पद मंजूर किए गए हैं।

आज होगा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य और उंप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में सवेरे 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम में छह नगरीय निकायों में कुल २७० करोड़ रुपए लागत की जलपढाय योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न



- आज होगा कार्यक्रम सीएम साय, डिप्टी सीएम साव समेत
- सांसद, विधायक होंगे शामिल

नगरीय निकायों में 15 करोड़ 25 लाख

रुपए के 70 कार्यों का लोकार्पण और १५५ करोड़ ३८ लाख रुपए के ८१३ कार्यों का शिलान्यास भी किया जाएगा। मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत कार्यरत स्वच्छता दीदियों का सम्मान भी कार्यकम में किया जाएगा। वन मंत्री तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, सांसद बुजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मुणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, गुरु खुशवंत साहेब, अनुज शर्मा और इंद्रकुमॉर साहू भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में

सभी संभागों में ३५३ अनुकंपा पद

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा नगर निगमों, नगरपालिकाओं एवं नगर पंचायतों में अनुकम्पा नियुक्ति के लिए 353 नवीन पदों की स्वीकृति दी गई है। वर्षों से लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव की पहल पर राज्य शासन द्वारा नवीन पदों के सृजन के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें रायपुर संभाग के नगरीय निकायों के लिए 102 पद, दुर्ग संभाग के लिए 144 पद, बिलासपूर संभाग के लिए 78 पद, सरगुजा संभाग कें लिए 16 पद और बस्तर संभाग कें लिए 13 पद शामिल हैं।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज

रायपर। कांग्रेस विधायक दल की बैठक सोमवार को दोपहर 12 बजे राजीव भवन में होगी। प्रदेश में आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी और पूर्व मंत्री कवासी लखमा की गिरफ्तारी को लेकर बैठक में चर्चा की जाएगी। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि नगरीय निकाय में पिछड़ा वर्ग आरक्षण को लेकर कांग्रेस पहले ही विरोध कर रही है। बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व सीएम भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के सभी विधायक शामिल होंगे। साथ ही संगठन की ओर से पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व विधायक भी शामिल हो सकते हैं। अब चुनाव आचार संहिता कभी भी लग सकती है, इसे लेकर विधायकों से उनके क्षेत्रों में पार्टी की चुनावी रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

राजधानी में भाजपा के पार्षद प्रत्याशी तय करने की कवायद तेज, जल्द होगा निर्णय मंडलों से आएंगे

हरिमूमि न्यूज 🕪 रायपुर

में भाजपा के पार्षद प्रत्याशी तय करने की कवायद तेज हो गई है। 20 मंडलों से दावेदारों के नाम आएंगे। इनका जिला समिति पैनल बनाकर संभागीय समिति को भेजेगी। संभागीय समिति से नाम तय होने के बाद प्रत्याशियों का ऐलान किया जाएगा। इसके पहले 22 और 23 जनवरी को 70 वार्डों में बैठकें होंगी।

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा की तैयारी चल रही है। हालांकि अब तक चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हो सका है, लेकिन भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन यहां पर बैठक लेकर

नाम, जिला समिति तय करेगी पैनल, संभागीय समिति में होगा अंतिम फैसला



एकजूट होकर चुनाव लड्ने के लिए बैठकें

राजधानों के 70 वार्डों में भाजपा अपने प्रत्याशी तय करने के पहले सभी वार्डों में 22 और 23 जनवरी को बैठकें करने वाली है। रायपुर शहर के नए जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर का कहना है, इन बैठकों का मकसद यह है कि वार्डों के भाजपा कार्यकर्ताओं को एकजुट करना है। उनको यह बात समझाएंगे कि भाजपा का प्रत्याशी कोई भी हो, लेकिन सभी को मिलकर काम करना है और उनको जीत दिलानी है।

25 जनवरी तक प्रत्याशियों का चयन करने के निर्देश देकर गए हैं, लेकिन तारीखों के ऐलान का अभी इंतजार है, उसके हिसाब से प्रत्याशियों का चयन होगा। प्रत्याशियों के चयन से पहले भाजपा के कार्यकर्ताओं को भी साधने का काम होगा।

दावेदारों के नाम

पार्षद प्रत्याशियों के नाम मंडल की चयन समिति से आएंगे। जो भी दावेदार होंगे, वो अपना दावा मंडलों के सामने ही करेंगे। जो भी ढावेढार होंगे. उनके नाम मंडल समिति जिला समिति के पास भेजेगी। इसके बाढ जिला समिति पाथमिकता के आधार पर तीन या इससे ज्यादा नामों का पैनल बनाकर संभागीय समिति के पास भेजेगी। संभागीय समिति नामों के पैनल में से एक प्रत्याशी का नाम तय करेगी और इसके बाद उनके नाम का ऐलान होगा।

कोहरे से सुस्त हुई ट्रेनों की रफ्तार, 6 घंटे तक लेट, सुबह पटरियों पर विजिबिलिटी 40 मीटर

ठंड में छाए कोहरे ने रायपर से गजरने वाली दर्जनभर से अधिक टेनों की रफ्तार धीमी कर दी है। शीतलहर के बीच रविवार को ट्रेनों में सफर करना

 ट्रेनों की खिड़की यात्रियों का बेहद कष्टदायक रहा। स्लीपर से लेकर जनरल कोच तक में यात्री ठंडी हवा से ठिठुरते रहे। लोको **ढिंदुरते रहे यात्री** पायलट के मुताबिक, सुबह 5 से 8 बजे तक पटरियों पर विजिबलिटी 30

से 40 मीटर रही. जिसके कारण 120 की रफ्तार से चलने वाली टेनें 70 से 80 की रफ्तार से दौड़ीं। कोहरे से सभी रूट की ट्रेनों की रफ्तार धीमी रही।

इस वजह से दर्जनभर एक्सप्रेस ट्रेनें अपने निर्धारित समय से 5 से 6 घंटे विलंब से पहुंचीं। यात्रियों को ठंड के बीच रेलवे स्टेशन पर अपनी ट्रेन का इंतजार करना पड़ा।

ठंड में कोहरे के कारण तीन दिनों से 4 से 5 घंटे तक ट्रेन लेट, स्टेशन पर गुजारनी पड़ रही रात

शीतलहर से छटी यात्रियों की कंपकंपी

हरिभूमि टीम जायजा लेने रेलवे स्टेशन पहुंची। शीतलहर से जनरल कोच में हर यात्री ठंड से कांपता नजर आया। ज्यादातर ट्रेनों में भीड होने से यात्रियों को दरवाजे के पास खड़े होकर सफर करना पड़ा। गोंडवाना और शालीमार एक्सप्रेस में यात्री ठंड से ठिठुरते मिले। ठंड के कारण स्लीपर कोच की सभी खिड़िकयां बंद मिलीं, लेकिन जनरल कोच में भीड़ के कारण यात्री परेशान नजर आए। कोच में हर कोई चादर और कंबल ओढे दिखाई दिया। यात्रियों ने बताया कि ट्रेन जब 90 से 100 की रफ्तार से चलती है तो पूरा कोच ठंडा हो जाता है। खिड़की के शटर खराब होने से ठंडी हवा को रोका भी नहीं जा सकता। ऐसे में ठिठुरते हुए सफर करना बड़ी मजब्री है। कहीं-कहीं एक सीट पर 6 से अधिक यात्री ठुंसे नजर आए।



यह कैसा अभियान... अवैध दुकानें हटाने और जुर्माना

वेटिंग हॉल भी फूल

ट्रेनों के लेट होने से ठंड से बचने रेलवे स्टेशन का वेटिंग हाल भी इन दिनों यात्रियों से खचाखच भरा दिखता है। जगह नहीं होने से कई यात्रियों को ठंड के बीच प्लेटफार्म पर ही ट्रेन का इंतजार करना पड़ रहा है। सुबह और रात के समय यात्रियों को दिक्कत अधिक हो रही है। दोपहर और शाम की ट्रेन 3 से 4 घंटे लेट है तो वहीं सुबह की ट्रेन 5 से 6 घंटे तक लेट है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को ठंड से बचाने के लिए रेलवे ने भी कोई व्यवस्था नहीं की है। डिवाइस लगाई है, लेकिन इसके बावजूद ट्रेन ठंड में समय पर नहीं पहुंच रही। सर्वाधिक विलंब में समता एक्सप्रेस पहले स्थान पर है। बीते तीन दिनों से यह टेन 5 से 8 घंटे तक देर से रायपुर पहुंची है। सुबह की ट्रेनों में अमरकंटक, दुर्ग-अंबिकापुर, लिंक एक्सप्रेस, हमसफर, रात में हावड़ा-अहमदाबाद, सारनाथ समेत अन्य ट्रेनें लगातार कोहरे के कारण विलंब से चल रही हैं।

दिल्ली और मुंबई की टेनें 4 घंटे लेट : पटरियों पर छाए कोहरे के कारण सप्ताहभर से दिल्ली और मुंबई रूट की ट्रेनें विलंब से चल रही हैं। समरसता, मुंबई-हावडा एक्सप्रेस गुरुवार को 4 घंटे लेट रही। वहीं समता अपने निर्धारित समय से 3.50 मिनट देर से पहुंची। वहीं अमरकंटक और दुर्ग-अंबिकापुर 2 घंटे लेट रही। इसके साथ पुणे-हावड़ा और हावड़ा-अहमदाबांद भी 4 से 5 घंटे तक विलंब से चल रही है। सुबह और रात के समय ट्रेनें अत्यधिक विलंब होने से दिन में कवर भी नहीं हो रहीं। रायपुर से गुजरने वाली दस से अधिक ट्रेनों के जनरल कोच में जबरदस्त भीड़ बढ़ी है।

मकान बिक्री करने के नाम पर ११ लाख की टगी

रायपुर। दूसरे के मकान को अपना बताकर बिंक्री के लिए 11 लाख रुपए एडवांस लेने वाले आरोपी के खिलाफ पुरानी बस्ती पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। अवधपुरी निवासी लूटन खंपारिया ने शिकायत दर्ज कराई है कि आरोपी खेमराज प्रधान ने पिछले साल उससे मकान बिकी करने के लिए 11 लाख रुपए एडवांस लिए थे। बाद में पता चला कि मकान दूसरे का है तो पार्थी ने अपने पैसे वापस मांगे. पर आरोपी ने रकम वापसी से इंकार कर दिया। मामले में पुरानी बस्ती पुलिस ने अपराध दर्ज किया है।

निधन

डॉ. शलभ तिवारी

रायपुर। मसानगंज बिलासपुर



शलभ तिवारी का नागपुर में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार नागपुर में 21

जनवरी को किया जाएगा। वे कविता तिवारी के पति, सम्राट, विराट तिवारी के पिता और पत्रकार अभिताभ तिवारी के बड़े भाई थे। वे रायपुर, डोंगरगढ़, अभनपुर, बलौदा शासकीय कॉलेजों में प्रिंसिपल रहे।

तारा देवी झा

रायपुर। टाटीबंध निवासी तारादेवी



निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 जनवरी को महादेवघाट

श्मशानघाट में किया गया। वे मोचन झा की माता थीं। उनके निधन पर छत्तीसगढ़ मैथिल ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

हज्जन मरियम बी

रायपुर। आकाशवाणी निवासी



(98) का 19 जनवरा को इंतकाल हो गया। उन्हें बैरन बाजार

कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक बाद नमाज असर में किया गया। वे हबीब खान की सास एवं नियाज खान और रियाज खान की नानी थीं।

ज्योति पंडित

रायपुर। चौबे कॉलोनी निवासी



ज्योति पंडित (70) का 18 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19

जनवरी को कोटा

मुक्तिधाम में किया गया। वे दीपक पंडित की पत्नी. महाराष्ट्र मंडल के कार्यकारिणी सदस्य निरंजन पंडित, दीपिका देशमुख, आरती जोशी की माता व अक्षता पंडित की सास थीं।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपर तहसील

व जिला रायपुर (छ.ग.)

<u>//ईश्तहार//</u>

ग.प्र.क्र./202412114900052/ अ-6/ वर्ष

2024-2025 रायपुर, दिनांक 30/12/2024

ग्राम टिकरापारा प.ह.नं. 70 एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जात

है आवेदक/ क्रेता डॉ. हरिन्द्र मोहन शुक्ल पिता डॉ रामेन्द्र नारायण शुक्ल निवासी आयुर्वेदम 11-13

नगर मार्ग चौबे कॉलोनी रायपुर तहसील व जिल

रायपर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110

छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतर

बाबत आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राग

टिकरापारा प.ह.नं. 70 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व

जिला रायपुर में स्थित भूखण्ड क्रमांक बी - 42

खसरा नंबर 659 का भाग रकबा 1290.73 वर्गफ़

भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख दिनाँ

30.04.2016 तथा पंजीकत संशोधन विलेख

दिनांक 24/12/2024 के माध्यम से विक्रेता,

अनावेदक प्रशांत शक्ला पिता स्व. देवेन्द देव शक्ल

निवासी समता कॉलोनी रायपुर तहसील व जिल

रायपुर (छ.ग.) से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्थ

प्राप्त किया गया है। अतएव उक्त पंजीकृत विक्रर

विलेख दिनांक 30.04.2016 तथा पंजीकृत

संशोधन विलेख दिनांक 24/12/2024 के आधा

पर आवेदित भूमि को आवेदक के नाम दर्ज किय

तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम र

अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 17/01/2025 के

स न्यायालय में पेश करें । नियत समयावधि के बा

प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किय

जावेगा। आज दिनांक 30/12/2024 को मेरे

हस्ताक्षर एवं न्यायालय की महर से जारी किया गया

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हं

जाने का निवेदन किया गया है।

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर राजधानी रायपुर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए नगर निगम सड़कों पर

अवैध रूप से लगाए गए ठेला-गुमटियों को हटा रहा है। इसके तहत मालवीय रोड, शास्त्री लाइन क्षेत्र, जीई रोड, **हरिभूमि सरीका** बैजनाथ पारा स्टिन् बैजनाथ पारा सहित

कई प्रमुख मार्गी पर कार्रवाई कर बड़ी संख्या में सड़कों तक लगी दुकानें हटाई गईं। इनमें से कई ठेला-गुमटियों को जब्ती बनाकर उनके संचालकों पर जुर्माना भी लगाया गया, लेकिन इस कार्रवाई के बाद निगम की टीम उन मार्गों पर दोबारा निरीक्षण करने तक नहीं पहुंची, जिसके कारण सड़कों पर फिर से अवैध दुकानें सज चुकी हैं। इस तरह निगम की यह कार्रवाई खानापूर्ति साबित हुई है, जबिक प्रशासक के तौर पर कलेक्टर गौरव सिंह ने निगम और पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जहां कार्रवाई करें, उन मार्गों का नियमित निरीक्षण करें, ताकि दोबारा वहां अवैध दुकानें लगे नहीं। कलेक्टर के इस आदेश के बाद भी अधिकारी-कर्मचारी उन मार्गों का निरीक्षण नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण सड़कों पर फिर अवैध दुकानें खुलने से यातायात व्यवस्था चरमराने लगी है।

९ दिन पहले पचपेडी नाका से पुजारी पार्क तक चला अभियान, अब देखें रिथति नगर निगम की टीम ने ८ जनवरी को शाम से देर रात तक लगाई जा रही हैं, जिसके कारण

मालवीय रोड- शास्त्री बाजार में भी जस के तस स्थिति

निगम अमले ने 4 दिन पहले मालवीय रोड, शास्त्री बाजार, मोतीबाग से एवनग्रीन चौक तक भी अभियान चलाकर कई ठेला-गुमटियों को सड़क से हटाने की कार्रवाई की थी। इस मार्ग पर फिर से दुकानें लगने लगी हैं। एवनग्रीन चौक से सुमीत काम्पलेक्स लाइन मार्ग पर सडक के दोनों तरफ अभी भी दुकानें लगी हुई हैं।

पंडरी ब्रिज के नीचे फिर सज चुकीं दुकानें

निगम ने पंडरी ब्रिज के नीचे भी हालही में अभियान चलाया था। इस दौरान यहां से भी बडी संख्या में ठेला-गुमटियों को हटाया गया था, लेकिन अब फिर से यहां दुकानें सज

वसूलने के बाद नहीं ली सुध, फिर सड़क तक सजने लगीं सिविल लाइन और

आकाशवाणी मार्ग पर

भी लगने लगी दुकानें सिविल लाइन क्षेत्र में भी थाने के सामने से लेकर राजभवन तक निगम ने कार्रवाई कर दुकानें हटाई थीं। इसके अलावा आकाशवाणी मार्ग पर भी अभियान चलाकर कई दुकानों को सड़क से हटाया गया था। इस मार्ग पर भी फिर से दुकानें लग चुकी हैं।

इन प्रमुख मार्गों पर अब तक कार्रवाई नहीं

लाखेनगर, सप्रे स्कूल से लेकर इंडोर स्टेडियम तक मार्ग के दोनों तरफ अवैध दुकानें लग रही हैं, जिसके कारण हर दिन यहां जाम की स्थिति निर्मित होती है। बूढ़ेश्वर मंदिर चौक से लाखेनगर चौक यहां से महाढेव घाट ओवरबिज मार्ग। कटोरा तालाब चौक का पूरा इलाका, भाठागांव बस स्टैंड मार्ग, भगत सिंह चौक से चांढनी चौक तक. संतोषी नगर मार्ग, पचपेड़ी नाका से फल मार्केट तक मार्ग, फाफाडीह सहित कई मार्ग है, जहां अभी भी सडकों पर ठेला-गुमटियों के कारण यातायात व्यवस्था चरमराई हुई है।

बिजनेस साइट

राष्ट्रीय स्टील एवं पॉवर एक्सपो को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

रायपुर। राजधानी रायपुर में औद्योगिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित और बहपतीक्षित राष्ट्रीय एक्सपो (स्टील एवं पॉवर) का भव्य शुभारंभ रविवार को हुआ। इस एक्सपो का उद्घाटन उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन गर्ग और रायपुर इलेक्ट्रिकल मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष अजंता अग्रवाल ने किया। उद्घाटन समारोह में दोनों एसोसिएशन के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आयोजन को उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह राष्ट्रीय एक्सपो इंदौर इंफोलाइन द्वारा आयोजित किया जाता है, जो पिछले 14 वर्षों से इस क्षेत्र में कार्यरत है। छत्तीसगढ़ के उद्योगों और व्यवसायियों के लिए यह एक बडा आयोजन है, जिसका सभी को बेसबी से इंतजार रहता है। इस वर्ष भी एक्सपो को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है और इसमें भाग लेने वाले व्यवसायियों और आगंतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

देशभर से 150+ कंपनियों का शानदार प्रदर्शन : इस एक्सपो में देश के विभिन्न हिस्सों से 150 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया है। इनमें रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, मुंबई, नागपुर, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और हैबराबाद जैसे प्रमुख औद्योगिक शहरों की कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने अपने नवीनतम उत्पादों, अत्याधुनिक तकनीकों और उन्नत औद्योगिक समाधानों का प्रदर्शन किया है। एक्सपो में स्टील, पॉवर, इलेक्ट्रिकल, ऑटोमेशन, मशीनरी, सेफ्टी इक्विपमेंट और इंडर्ट्रियल इक्विपमेंट से जुड़े इनोवेटिव प्रोडक्ट्स का व्यापक प्रदर्शन किया गया है। खासतौर पर छत्तीसगढ़ के उद्योगपतियों और व्यवसायियों के लिए यह एक्सपो नए व्यावसायिक अवसरों और संभावनाओं को तलाशने का बेहतरीन मंच साबित हो रहा है।



उद्योग जगत के लिए सुनहरा अवसर : इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उद्योग जगत को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां वे नवीनतम तकनीकों और उत्पादों की जानकारी पाप्त कर सकें। एक्सपो में बिजनेस नेटवर्किंग नए पार्टनरशिप के अवसर, और संभावित निवेशकों के लिए विस्तृत संभावनाएं मौजूद हैं। आयोजकों का मानना है कि यह एक्सपो छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण

उद्योगपतियों और आगंतुकों का उत्साह चरम पर : एक्सपो में आए आगंतुकों और उद्योगपतियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। विभिन्न स्टॉल्स पर नए-नए उत्पादों और तकनीकों की जानकारी लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इसके अलावा, बी2बी मीटिंग्स. लाइव डेमोंस्टेशन और सेमिनार्स के जरिए औद्योगिक विशेषज्ञों और निवेशकों के बीच गहन विचार-विमर्श भी हो रहा है।

छत्तीयगढ के औह्योगिक विकास को मिलेगी गति : विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के आयोजन राज्य के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होते हैं। एक्सपो के जरिए स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलता है।

पुलिस विभाग में बड़ी सर्जरी, 50 अफसर इधर से उधर, पटले कोरबा गए, तारकेश्वर एएसपी सिटी

जीई रोड पर सप्ताहभर

दुकानें, स्थिति फिर वैसी

रोड मार्ग पर अभियान चलाया था

और सड़क के दोनों तरफ अवैध

हटाने की कार्रवाई की थी। जिस

दिन यहां कार्रवाई हुई, उस दिन

इस मार्ग में यातायात व्यवस्था

मुंगम रही, लेकिन दूसरे दिन से

फिर यहां दुकानें लगनी शुरू हो

ਗई हैं। यहां

नाश्ता. फल.

मोबाइल

कवर से

लेकर अन्य

कई चीजों

की दुकानें

रूप से लगे ठेला-गुमटियों को

पहले हटाई गई थीं

नगरीय निकाय चुनाव के पहले तबादलों का दौर जारी है। रविवार को पुलिस विभाग में बड़ी सर्जरी की गई और एएसपी, डीएसपी स्तर के 50

अधिकारियों का तबादला वीरेंद्र चतुर्वेदी किया गया। एएसपी सिटी एसडीओपी लखन पटले को कोरबा विधानसभा, भेजा गया है और पूर्णिमा लांबा तारकेश्वर पटेल को नई सीएसपी उरला जिम्मेदारी दी गई है। वीरेंद्र चतुर्वेदी एसडीओपी

विधानसभा बनाए गए हैं और पूर्णिमा लांबा को सीएसपी उरला नियुक्त किया गया है।

राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, लखन पटले एएसपी रायपर से कोरबा, तारकेश्वर पटेल एआईजी पीएचक्यू से एएसपी सिटी, रामगोपाल करियारे एएसपी रायगढ़ से एएसपी टैफिक बिलासपर, असद खान उपसेनानी चौथी बटालियन से वीआईपी सुरक्षा। डीएसपी एवं सहायक सेनानी में वीरेंद्र चतुर्वेदी को पीएचक्यू से विधानसभा थाना एसडीओपी, अनामिका जैन रायगढ़ से पीएचक्यू, राजू गुप्ता मुख्यालय से

MD आयुर्वेद (पुणे)

Timing- (11-8) by Appointment



11वीं वाहिनी जांजगीर, निशीथ अग्रवाल मुख्यालय से साइबर थाना, सुशांतो बनर्जी रायपुर से रायगढ़, पूर्णिमा लांबा डायल 112 से सीएसपी उरला, केशरीनंद नायक विधानसभा से सीएसपी कोतवाली, योगेश साहू कोतवाली से डायल 112, राजेश शर्मा 9वीं बटालियन से मंत्रालय सुरक्षा, दीपक भगत नारायणपुर से नवा रायपुर, अविनाश कंवर विशेष शाखा से एसडीओपी बेनूर, त्रिभुवन मोहन वासनिक 21वीं छसबल से 9वीं वाहिनी भेजा गया है।

रितेश श्रीवास्तव बेनूर नारायपुर से नवा रायपुर, अनूप लकड़ा 16वीं वाहिनी से एसडीओपी पाटन, अनिल विश्वकर्मा फरसगांव से रायगढ़, शेर बहादुर सिंह नवा रायपुर से कांकेर,

विकास पाटले बिलासपुर से गरियाबंद, मणिशंकर चंद्रा धमतरी से विशेष शाखा रायपुर, उन्नति ठाकुर दंतेवाड़ा से रायगढ़, अभिषेक केशरी प्तरायपाली से छोटेडोंगर, अभिषेक पैकरा छोटेडोंगर से सूरजपुर, भूपत सिंह कोंडागांव से कबीरधाम, आशारानी नारायणपुर से खैरागढ़-छुईखदान, प्रशांत सिंह भानुप्रतापपुर से मानपुर, आशा सेन दंतेवाडा से कोरिया, अभिनव उपाध्याय रायगढ से कोंडागांव, रुचि वर्मा दंतेवाड़ा से रायपुर, अजीत ओगरे मानपुर से महासमंद, नेहा पवार धमतरी से मोहला-मानपर, तारेश साहू आईयूसीएडब्लू से भाठापारा, अंजू मन्नेवार दंतेवाड़ा से कबीरधाम, मोनिका मरावी नारायणपुर से धमतरी, विनय कुमार नारायणपुर से बेमेतरा, लक्ष्मण सिंह कोंडागांव से बस्तर, अमित सिंह सुकमा से बस्तर, निशा सिंह बाल अपराध अन्वेषण से गरियाबंद एसडीओपी, नंदिनी सूरजपुर से रायपुर, सौरभ उइके कांकेर से सूरजपुर, आशीष नेताम दंतेवाड़ा से नारायणपुर, संजय साहू बिलासपुर से मुंगेली, मानकराम सरगुजा से खैरागढ़, मीना साहू रायपुर से धमतरी, बाजीलाल सिंह गरियाबंद से बलरामपुर, अनूप एक्का पीएचक्यू से सुरजपुर भेजे गए हैं।

पेज ०९ के शेष ...

(वाके मौजा चटौद खर्सेरा नंबर 425, 503 677 रकबा क्रमशः 0.03 हे., 0.39 हे., 0.35 हे कुल खसरा 03 कुल रकबा 0.77 हे. भूमि वे

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मि स्वामि श्रीमती कुमारी बाई सैनिक उम्र 85 वर्ष ते स्व.श्री सनत कुमार सैनिक निवासी बजरं नगर रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) की स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि वाके मौजा चटौव ग.ह.नं. 81/2 रा.नि.मं. मंदिर हसौद तहसील आरं ला रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नंबर ४२५ 503, 677 रकबा क्रमशः 0.03 हे., 0.39 हे., 0.3 . कुल खसरा 03 कुल रकबा 0.77 हे. को में क्षकार शशि कुमार वर्मा पिता रामजी लाल वम नेवासी ग्राम चटौद तहसील आरंग जिला रायप (छ.ग.) ने क्रय करने का पक्का सौदा तय कँ तखित विक्रय इकरारनामा के माध्यम से बयान अदा कर दिया है अब मात्र पंजीयन बैनामा क ष्पादन कराना शेष है।

अतः इस आम सूचना के माध्यम से मेर पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित भूमि को उपरोक्त विक्रेता से क्रय करने का सौदा हो चुका है यि किसी आम जनता, व्यक्ति, बैंक, बीँमा, कंपनी ाहकार शासकीय संस्था, अर्धशासकीय संस्ध रवं निजि संस्था को उपरोक्त संव्यवहार से किसी . हो आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर मेरे कार्याल h दिये गये पते में आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें समयावधि पश्चात दिया गया आपत्ति श माना जावेगा। सो सूचना जाने।

भवदीय टी.एस.सेठ (अधिवक्ता) रायपुर (छ.ग.) मो. 982 748 24 10

उधमपुर एक्सप्रेस ... का निर्णय लिया गया। इसकी वजह से

जम्मू की ओर आने-जाने वाली अप-डाउन एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों के साथ छत्तीसगढ़ से मंगलवार और बुधवार को जम्मू जाने वाली एकमात्र जम्मू तवी एक्सप्रेस का भी परिचालन प्रभावित किया गया है। इसमें ८ से ९ जनवरी तक जम्मू तवी विस्तारित उधमपुर के रह्व होने के कारण यात्री काफी परेशान हुए। ९ जनवरी के बाद जम्मू तवी के पटरी पर आने की उम्मीद पर कई यात्रियों ने टिकट बुकिंग कर ली, लेकिन ट्रेन को मार्च माहँ तक रोकने का निर्णय रेल प्रशासन ने ले लिया।

मंडल के २० हजार

कैंट और जम्मू के अलावा कटरा स्टेशन तक जाने की सुविधा मिल जाती है। यात्रियों की भीड़ के कारण ट्रेन के स्लीपर और एसी कोच में सफर के लिए वेटिंग की कतार लगती है। अब रेल प्रशासन ने ट्रेन को मार्च तक रह्न कर दिया है। इसमें जनवरी माह में 28 तारीख तक रह्व की गई ट्रेन में रायपुर मंडल के 20 से 25 हजार यात्रियों का सफर प्रभावित हुआ है।

जम्मु के पहले

कहना है कि जम्मू डिवीजन में अगर काम के कारण इसे रहूँ किया गया है तो ट्रेन को जम्मु स्टेशन से पहले दूसरे स्टेशन तक ले जाने के बाद वापस दुर्ग तक लाया जा सकता है। इससे यात्रियों को भी काफी राहत

टंड की वापसी

चढ़ा हुआ है। तापमान में गिरावट होने और ठंड की वापसी होने का एकमात्र कारण उत्तर से आने वाली शुष्क हवा है जिसके कारण थोडी ठंड अपना असर दिखाती रहेगी। अभी अगले तीन दिन तक न्यनतम तापमान में गिरावट आने की संभावना है। विक्षोभ के साथ राजस्थान से पाकिस्तान के बीच बने चकवाती घेरा पभाव से ढिक्षण तथा मध्य में तापमान बदने की संभावना है। उत्तरी इलाके में इसका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा बढोतरी का ढौर 23 जनवरी तक जारी रहने की संभावना है।

घोटाले के बाद

संचालित जिस एनजीओ के खाते में घोटाले की राशि डाली गई, उस एनजीओ का सदस्य पीएससी अध्यक्ष का भतीजा नितेश सोनवानी भी है। अर्थात जिसके लिए (नितेश सोनवानी) प्रश्नपत्र लीक किए गए, उस लीक घोटाले की राशि अप्रत्यक्ष रूप से उसके पास भी पहुंची। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में तत्कालीन पीएससी अध्यक्ष के एनजीओ जीवीएस अर्थात ग्रामीण विकास समिति का भी जिक्र किया है। किसने इस एनजीओ में कितनी राशि जमा की, इसका





न्युरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. ९०३९०५०४२२, ९१७९४ ५५५६१

Mob.: 9111922122, 9111912122,0771-3558564

• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द

पता :- B-22 जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायन्त्री नगर, रायपुर (छ.ग.)

INTL Ayurvedic Consultant राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित

डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव

• जकडन (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग

🤾 अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर ५, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। 🞗 मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

विज्ञापन हेत संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

शहीद हेमू कालाणी चौक में कल मनाएंगे बलिदान दिवस

रायपुर। क्रांतिवीर शहीद हेमू कालाणी समिति द्वारा 21 जनवरी



को शहीद हेमू 82वीं पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई जाएगी। यह

कार्यक्रम कचहरी चौक स्थित अमर शहीद हेमू कालाणी चौक पर सुबह 10.30 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष किशोर आहजा और मीडिया प्रभारी भरत पमनानी ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में उपस्थिति के लिए समाज के संतों और सभी राजनीतिक दल के लोगों को आमंत्रित किया गया है, ऐसे वीर सपुत को पृष्पांजलि अर्पित करने के लिए सभी देश के राष्ट्रभक्तों व समाजजनों से निवेदन है उन्हें याद कर पुष्पांजलि अर्पित करें। बैठक में त्रिलोकचंद चिमनानी, अच्छूमल गावरी, प्रेम बिरनानी, अनेश बजाज, भरत बजाज, अमित वालेचा, भरत पमनानी, लक्ष्मण जगवानी आदि उपस्थित रहे।

सतनामी समाज परिचय सम्मेलन में देशमर से पहुंचेंगे युवक-युवती रायपुर। गुरु घाँसीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ओर से शहीद स्मारक भवन में 2 फरवरी को सतनामी समाज के विवाहयोग्य यवक-यवतियों का राष्ट्र स्तरीय विशाल परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारी जोरों पर है। इस बार 9वें वर्ष का आयोजन होने जा रहा है. जिसमें छग के अलावा देश के विभिन्न प्रांतों में निवासरत सतनामी समाज के नवयुगल प्रतिभागी अपने अभिभावकों के साथ मनपसंद जीवनसाथी की तलाश में राजधानी पहुंचेंगे। कार्यक्रम में समाज के विधवा विधुर व वैध तलाकशुदा प्राप्त महिला-पुरुषों को भी स्थान दिया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रसारण बड़े एलईडी. स्क्रीन के साथ फेसबुक लिंक के माध्यम से पूरे देशभर में लाइव प्रसारित किया

सोने के दाम नए साल में 3200 बढ़ गए, तोड़ेगा रिकार्ड

सोना नए साल में भी लगातार भाव खा रहा है। नए साल में अब तक दाम 32 सौ रुपए बढ़ गए हैं। जो सोना 31 दिसंबर को 78600 रुपए था, वह अब 81800 रुपए हो गया है। बीते साल सोने की खास खबर

रिकॉर्ड कीमत 30 अक्टूबर

को 82200 रुपए थी। इस साल अब सोना एक नए रिकॉर्ड की तरफ जा रहा है। संभावना है कि इसी माह सोना कीमत का नया रिकॉर्ड बना सकता है। इसी के साथ सोने और चांदी में लगातार निवेश हो रहा है। बीते साल सोने में निवेशकों को 20 बीते साल निवेशकों को मिला था २० फीसदी रिटर्न

निवेशकों की पहली पसंद

सोने और चांदी ने बीते साल निवेशकों को सबसे ज्यादा लुभाने का काम किया है। सोने और चांदी की कीमत बौते साल तेजी से बढ़ीं। पहले कभी इतनी तेजी से कीमत नहीं बढ़ी थी। सालभर में सोना रिकॉर्ड 19 हजार तीन सौ रुपए तक महंगा हुआ। जो सोना १ जनवरी 2024 को 62900 रुपए था, वहीं 30 अक्टूबर को रिकॉर्ड 82200 रुपए तक गया। हालांकि 31 दिसंबर को कीमत 78600 रुपए रही। इसी तरह से चांदी के दाम 1 जनवरी को ७४५०० रुपए थे, जो ३१ दिसंबर को तो ८८२०० रहे, लेकिन इसकी कीमत २९ अक्टूबर को १०१५०० रुपए तक गई थी, यानी कीमत 17 हजार रुपए बढ़ी।



लगातार बढ रही कीमत

नए साल में सोने की कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है। इस साल सोने की कीमत नया रिकॉर्ड बना सकती है।

<u>निवेश में लगातार इजाफा</u>

चांदी कारोबारी लक्ष्मीनारायण लाहोटी के मुताबिक, निवेश में लगातार इजाफा हो रहा है। हर साल करीब 20 से 25 फीसदी निवेश बढ़ रहा है। निवेशक जमीन के स्थान पर सोने और चांदी में निवेश करना पसंद करते हैं। इसमें कोई पचास हजार या एक लाख भी निवेश कर सकत है, जबकि जमीन में इतना कम निवेश संभव नहीं है। सोने और चांढी में निवेश करने वालों को कोरोना के समय तत्काल पैसों की जरूरत पर सोना-चांदी बेचने से पैसे मिल गए थे, लेकिन

सोने और चांदी की कीमत ने बीते साल रिकॉर्ड बनाने का काम किया है। अब सोना एक और नया रिकॉर्ड बनाने की राह पर है। सोने की कीमत नए साल में लगातार बढ़ रही है। पहली जनवरी को कीमत में दो सौ रुपए का इजाफा हुआ। इसके बाद से लगातार कीमत कम-ज्यादा होते-होते अब शनिवार को बंद हए बाजार में राजधानी रायपुर में 24 कैरेट सोने की कीमत जीएसटी के साथ 81800 रुपए रही है। इसके एक दिन पहले शुक्रवार को कीमत 81900 रुपए थी। आने वाले सप्ताह में कीमत में नया रिकॉर्ड बन सकता है। सोना इस साल 85 हजार तक जा

बिरगांव निगम ने 12 हजार नलों में लगाया, पुराने में सुधार के बाद 10 हजार मीटर लगाएंगे

निगम ने लगाए १२ हजार वाटर मीटर 3000 टूट गए, अब होगी मरम्मत

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

बिरगांव निगम क्षेत्र में जल आवर्धन योजना के तहत पेयजल की बेहतरी के लिए होने वाला काम अब फरवरी में पुरा करने की तैयारी है। इस योजना के तहत निगम ने नई पाइपलाइन बिछाने के साथ ही निगम क्षेत्र के 22 हजार घरों में नल हिस्सूमि कनेक्शन दिए हैं। इनमें से 12 हजार नलों में लगाए गए वाटर मीटर में से तीन हजार से ज्यादा टूट-फूट का शिकार हो गए हैं। इसे सुधारने और बचे हुए 10 हजार कनेक्शन धारकों के यहां क्लोजर रिपोर्ट बनाने से पहले मीटर लगाने की तैयारी है।

उपनगरीय व्यवस्था से जुड़े बिरगांव निगम में 2019 से 40 वार्डों में जल आवर्धन योजना के तहत पानी टंकियों का निर्माण कराने, नई पाइपलाइन बिछाने, वाटर मीटर लगाने का सिलसिला शुरू किया, मगर प्रोजेक्ट पूरा होने से पहले ही तीन हजार से ज्यादा वाटर मीटर टूट-फूट का हिस्सा बन चुके



हैं। मामले में पता चला कि निगम ने एजेंसी से पाइपलाइन बिछवाने के साथ जिन घरों में नल कनेक्शन नहीं था, वहां सर्विस लाइन डालने के बाद कनेक्शन दिया है। नई और पुरानी मिलाकर 17 टंकियों से लोगों को कनेक्ट करने के बाद पानी की आपूर्ति नई लाइन से दे रहा है। वहीं एजेंसी से 12 हजार से ज्यादा नलों में वाटर मीटर लगवा दिया। नतीजा दो साल की गर्मी में ही मोटर और टुल्लू पंप लगाकर पानी का दोहन करने वालों की वजह से नया कनेक्शन लेने वालों के

उरला स्थित फिल्टर प्लांट की क्षमता पहले 14

फरवरी तक काम

पूरा करने निर्देश

इकराम अहमद, अध्यक्ष,

जलप्रदाय विभाग, ननि बिरगांव

अभी तक लगभग सभी काम पूरे हो गए हैं।

सभी टंकियों से कनेक्शन भी हो गए है। अभी

टंकियों की एक-एक कर सफाई करवाने के बाद

वाटर मीटर का काम पुरा करेंगे। टूट-फूट वाले

यहां नल की धार पतली हुई। इसे देखते

हुए लोगों ने वाटर मीटर ही तोड़ दिया।

मीटरों का भी एजेंसी से सुधार कराएंगे।

एमएलडी थी। नए प्रोजेक्ट के तहत 17 एमएलडी क्षमता बढ़ाने से अभी 31 एमएलडी पानी निगम रोज फिल्टर करने के बाद 17 टंकियों तक पहुंचाता है। जहां से 40 वार्डों के 22 हजार से भी ज्यादा घरों तक पेयजल पहुंचता है। लोग पानी का बोहन न करने पाएं और इसकी मॉनिटरिंग के लिए 12 हजार से ज्यादा घरों में पहले फेज में वाटर मीटर लगाने के बाद टेस्टिंग की गई। इसे शुरू करने से पहले ही 3 हजार से ज्यादा नलों के वाटर मीट्र टूट-फूट का शिकार हो गए हैं।

एजेंसी से दोबारा सुधार भी करवाएंगे

टंकियों से कनेक्टिविटी होते ही टैंकर का खर्च बचाने के लिए नल से पानी देना शुरू किया। इससे धार पतली होने की स्थिति में तीन हजार से ज्यादा लोगों ने वाटर मीटर व नलों को अलग किया। प्लास्टिक का बॉक्स होने से वह टूट-फूट का हिस्सा बन गया। जल आवर्धन का प्रोजेक्ट फरवरी में पूरा होने वाला है। अब क्लोजर रिपोर्ट बनाने से पहले वाटर मीटर में सुधार करवाने की तैयारी है। 4 करोड़ 20 लाख खर्च करने के बाद प्रोजेक्ट शुरू होने से पहले ही एजेंसी से वाटर मीटर में सुधार करवाने की तैयारी है।

बैज ने कहा- घोषणापत्र जनआकांक्षाओं को पूरा करने वाला होगा



हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

कांग्रेस की नगरीय निकाय घोषणापत्र समिति ने नगरीय निकाय चुनाव में जनता से किए जाने वाले वादों के बारे में विस्तत चर्चा की। बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने हमारा घोषणापत्र जनआकांक्षाओं को पूरा करने वाला होगा। उन्होंने कहा, यह जनता के हित में और नगर के विकास पर घोषणापत्र होगा। समय से पहले घोषणापत्र तैयार करेंगे। उन्होंने कहा, नगरीय निकाय क्षेत्र की जनता जिस तरीके से विकास चाहती है, वैसा घोषणा पत्र रहेगा। बहुत से मुद्दों को लेकर घोषणापत्र तैयार कर हम जनता के बीच जाएंगे। अभी कुछ और बैठकें होंगी, उसके बाद हमारा घोषणापत्र मूल रूप लेगा।

ये थे मौजूद -नगरीय निकाय चुनाव घोषणापत्र समिति की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, सरकार पर भरोसा नहीं साय कैबिनेट की बैठक में किसानों को लेकर लिए गए फैसलों पर उन्होंने कहा, किसानों को भरोसा नहीं है। अगर राशि देनी है तो तत्काल क्यों नहीं दे रहे हैं। ये सिर्फ चुनाव को देखते हुए भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। वहीं अतिशेष धान की नीलामी पर कहा कि पहले तो ढावा करते थे. फिर नीलाम क्यों किया जा रहा है। केंद्र और राज्य के बीच स्थित ठीक नहीं है, इसलिए *बीलामी कर रहे हैं।*

प्रभारी एसए संपत कुमार, जरिता लैतफलांग, सहप्रभारी विजय जांगिड़, पूर्व मंत्री मो. अकबर, गुरु रूद्र कुमार, अमरजीत भगत, अनिला भेंड़िया, पूर्व विधायक अमितेश शुक्ल, अरूण वोरा, महापौर अजय तिर्की, रामिकशोर प्रसाद, हेमा देशमुख, एजाज ढेबर और नंदलाल देवांगन, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला उपस्थित थे।

एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़

महंगाई भत्ते सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्टी सीएम शर्मा को सौंपा ज्ञापन

अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से उनके निवास पर भेंट कर प्रदेश के शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों की विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। महंगाई भत्ता जुलाई २०२४ से ३ प्रतिशत बढ़ाने सहित पांच सूत्रीय मांगें प्रमुख रहीं। उप मुख्यमंत्रीं ने सकारात्मक रुख अपनाते को एउ पेषित करते के निर्देश दिए हैं। फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा एवं प्रवक्ता चंद्रशेखर तिवारी ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उप मुख्यमंत्री को कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं और उनके समाधान की आवश्यकता से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। उन्होंने भाजपा के घोषणापत्र में किए गए वादों को शीघ्र लागू करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने फेडरेशन द्वारा प्रकाशित



कैलेंडर का विमोचन भी किया। फेडरेशन की प्रमुख मांगें-शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों को केंद्र के समान देय तिथि से 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रदान किया जाए। साथ ही जुलाई 2019 से लंबित महंगाई भत्ते का एरियर भविष्यनिधि खाते में समायोजित किया जाए। वेतन विसंगति एवं अन्य मुहों के लिए गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। चार स्तरीय पदोन्नति वेतनमान प्रदान किया जाए। अर्जित अवकाश का नकदीकरण ३०० दिवस किया जाए। राज्य के मान्यता प्राप्त चिकित्सालयों में कैशलेस इलाज की सविधा प्रदान की जाए।

पंचायती राज संशोधन अध्यादेश की पदोन्नति में आरक्षण समेत अन्य समयावधि बढ़ेगी, विधेयक को मंजूरी मांगों को लेकर आज से विरोध-प्रदर्शन

छत्तीसगढ में होने वाले नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को लेकर

त क नी की

रही देरी के

मामले का

हल निकाल

लिया गया

मुख्यमंत्री

विष्णु देव

अध्यक्षता में

संबंध

इस

से अब निकाय-पंचायत चुनाव की राह आसान कैबिनेट के फैसले और

राज्यपाल की अनुमति से विधिक प्रक्रिया

हुई कैबिनेट में अध्यादेश की अवधि बढ़ाने का फैसला किया गया है। दूसरी ओर राज्य सरकार द्वारा विधानसभा से पारित कराए गए नगर निगम और नगरपालिका संबंधी दो विधेयकों को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। जानकारों का मानना है कि अब दोनों चुनावों के संबंध में विधिक

दो संशोधन विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी-इधर

प्रकिया पूरी हो गई है।

पंचायत राज अधिनियम में संशोधन संबंधी अध्यादेश की अवधि बढाने का फैसला किया। दूसरी ओर राज्य सरकार द्वारा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पारित कराए गए नगर निगम नगरपालिका संशोधन अधिनियम को राज्यपाल की अनुमति मिल गई है। इन दोनों संशोधनों का सीधा संबंध नगरीय निकायों के चुनाव से है। नगर निगम संशोधन में राज्य के नगर निगमों में मेयर तथा पालिका संशोधन में पालिकाध्यक्ष का चनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने का प्रावधान रखा गया था। इसी तरह दोनों प्रस्तावों में निगम तथा पालिकाओं में ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था के संबंध में संशोधन रखे गए थे। इसके तहत निकायों में जहां एससी-एसटी की जनसंख्या 50 प्रतिशत तक है, वहां ओबीसी को कोई आरक्षण नहीं दिया जाना है। इसी तरह जिन निकायों में एससी-एसटी की जनसंख्या मिलाकर 50 प्रतिशत से जितनी कम है, उतनी जनसंख्या के

हिसाब से ओबीसी को आरक्षण

कैबिनेट ने लिया ये फैसला

1993 के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण संबंधी पावधानों में संशोधन किए जाने हेतू विभिन्न धाराओं में संशोधन संबंधी जारी अध्यादेश की समयावधि को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। जानकारों के मुताबिक, पंचायती राज अधिनियम में संशोधन संबंधी अध्यादेश की वैधता छह सप्ताह की होती है। यह अवधि जल्द पूरी होने

वाली थी। लिहाजा अवधि पूरी होने से पहले अध्यादेश की अवधि बढाने का निर्णाय लिया गया है। खास बात ये है कि इसी मामले को लेकर हाईकोर्ट में दो याचिकाएं भी पेश की जा चुकी हैं। इन याचिकाओं में अध्यादेश की अवधि को लेकर भी

दिया जाएगा। दोनों संशोधन विधेयकों पर राज्यपाल की अनुमति मिलने से अब निकाय-पंचायत चुनाव की सारी विधिक प्रक्रिया पूरी हो गई है। राज्यपाल ने छत्तीसगढ विधानसभा सदस्य वेतन भत्ता, पेंशन (संशोधन) विधेयक को भी अनुमति दे दी है।

सवाल उठाए गए थे।

नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव की तैयारी पूरी घोषणा आज संभव

रायपुर । प्रदेश में नगरीय निकाय

चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है। प्रशासनिक और कानूनी तैयारी पूरी करने के बाद अब कहा जा रहा है कि राज्य में आचार संहिता कभी भी लग सकती है। आयोग द्वारा जिलों की मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा सोमवार को हो सकती है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि चुनाव के लिए आरक्षण और अन्य मामलों में सरकार की ओर से पूरी जानकारी आ गई है। ऐसे में चुनाव को लेकर जिला उप निर्वाचन अधिकारियों को ईवीएम संचालन का प्रशिक्षण और ईवीएम की प्रथम स्तर की पूरी जांच कर इसे चुनाव के लिए तैयार कर लिया गया है। आयोग नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के अलग-अलग कार्यक्रम एक साथ

हालांकि सप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश 1 मई 2023 के

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ ने विद्युत कंपनी में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति में आरक्षण सहित अन्य सांगठनिक

मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। लामबंद कर्मचारी अधिकारी डगनिया स्थित विद्युत कंपनी मुख्यालय के सामने गेट मीटिंग कर विरोध प्रदर्शन

करेंगे। बिजली विभाग के आरक्षित वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों का कहना है, विद्युत कंपनी में आरक्षण नियमों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। पदोन्नति में आरक्षण को लेकर राज्य सरकार द्वारा हाईकोर्ट के निर्देशानुसार आरक्षण के नियम 5 को अधिसुचित करने पिंगुआ कमेटी का गठन किया गया है। वहीं पर राज्य सरकार द्वारा सामान्य पदोन्नित की प्रक्रिया वरिष्ठता के आधार पर की जा रही है।

अनुसार पदोन्नति में आरक्षण मौजुदा नियम के अनुसार किए जाने हेतु स्पष्ट आदेश किया गया है। इस संबंध में ऊर्जा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विद्युत कंपनी को 3 मई 2023 को नियुक्तियों एवं चयन प्रक्रियाओं में आरक्षण के संबंध में

आरक्षित वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संघ ने खोला मोर्चा

निर्देशित किया गया है, लेकिन विद्युत कंपनी प्रबंधन द्वारा शासन के निदेश एव

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया

जा रहा है। संघ ने विद्युत कंपनी प्रबंधन के

कर्मचारी विरोधी रवैये के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। इस कड़ी में 20 से 31 जनवरी तक क्षेत्रीय स्तर पर गेट मीटिंग कर विरोध प्रदर्शन, 7

फरवरी को विद्युत कंपनी मुख्यालय में गेट मीटिंग व विरोध प्रदर्शन, 14 फरवरी को एक दिवसीय सामृहिक अवकाश एवं विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद भी संघ की मांगों पर समुचित कार्यवाही नहीं हुई तो 24 फरवरी से अनिश्चितकालीन सामृहिक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

पाठक सूचना

हरिभामि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411



24 जून से 04 जुलाई 2025, 08 जुलाई से 18 जुलाई 2025, २९ जुलाई से ०८ अगस्त २०२५

सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर

प्रशिक्षित ड्राइवर मंथली/डेली बेसिस पर उपलब्ध है

नोट - हमारे द्वारा प्रशिक्षित ड्राइवर ये सारे पॉइंट फॉलो करते है।

1. गाड़ी चलते समय पान मसाला / सिगरेट का सेवन नहीं करते है। 2. एक बार में फ़ोन उठाते है, कॉल मिस होने पर कॉल बैक करते है।

3. प्रतिदिन गाड़ी की साफ सफाई करते है। 4. गाड़ी हमेशा सुरक्षित स्पीड में चलाते है। 5. ड्यूटी के दौरान यूनीफॉम में रहते है।





Rahul Travels One Way Taxi Pyt Lto Beside Raipur Airport

आवेदन आमात्रत

पाँच (५) घंटे पन्द्रह हजार (१५०००)

अपने शहर अपने वार्ड के लिए रहे तैयार।

🍁 स्वयं का वाहन होना चाहिए।

- 💠 12वीं से स्नातक की शिक्षा।
- 💠 आवेदक आधार कार्ड, अंक सूची की छायाप्रति के साथ बायोडाटा जमा करें।
- किस जिले, शहर, वार्ड में कार्य करना चाहते है आवेदन में दर्शाएं।
- 💠 मासिक वेतन का भुगतान बैंक खाते में दिया जायेगा, बैंक खाता होना अनिवार्य है।

आवेदन करें

हरिभूमि कार्यालय

धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर, मो. 9827555678







सिटी इवेंट

व्यक्ति को जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए सात चक्रों की आवश्यकता



रायपुर। रविवार को मिनी मार्वल्स प्री-स्कूल में 'सात चक्रों के चमत्कार' थीम पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। मैक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरूप डॉ. वर्णिका शर्मा उपस्थित रहीं। डांस से पहले छात्रों ने सात चक्र के बारे में जानकारी दी, जिसमें व्यक्ति के व्यक्तिव के बारे में बताया गया। नन्हे बच्चों ने मस्ती भरे अंदाज में प्रस्तुति दी। वहीं, माता-पिता ने तालियों से बच्चों का मनोबल बढाया। अतिथि ने संबोधन में कहा, बचपन सभी व्यक्ति के लिए खास होता है। परिजन अपने बच्चों की प्रस्तुति देख अपने बचपन के दिनों को याद करेंगे। स्कूल की प्राचार्य अनुभूति श्रीवास्तव ने कहा, सात चक्रों का चमत्कार बच्चों के समग्र विकास को समझाने का एक सुंदर माध्यम है।

सात चक्रों की जानकारी ਗਰ_ੋ छात्रों ने दी

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ की गई जिसकी प्रस्तृति स्कूल के शिक्षकों द्वारा दी गई। इस अवसर पर 4-6 साल तक नन्हे छात्राओं की प्रस्तुति देखने को मिली. जिन्होंने अनोखे अंदाज में सात चक्रों का अर्थ बताया है। कार्यक्रम में बच्चों ने डांस और स्पीच से सात चक्रों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, इस भागदौड़ वाले ढिनचर्या में शरीर को संतुलन बनाए रखने के लिए सात चक्रों की आवश्यकता होती है। सात चकों के विभिन्न योग आसन हैं जिसका प्रयोग रोजाना करने से शरीर को लाभ होता है।

लाइव इवेंट

कंप्यूटर से तेज चला बच्चों का दिमाग, 8 मिनट में 200 प्रश्नों के दिए सही जवाब



रायपर। स्कल में अक्सर बच्चों का सबसे कठिन सवाल गणित का होता है। एग्जाम में सवालों को हल करने में पसीने छूट जाते हैं, लेकिन युसीएमएएस की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता अबेकस और मानसिक अंकगणित प्रतियोगिता में छात्रों ने गणितीय प्रश्नों को चंद सेकंड में हल कर सभी को चिकत कर दिया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से 810 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। सभी छात्रों ने यूसीएमएएस अबेकस की तेज और सरल विधियों का उपयोग करके 8 मिनट में विशेष रूप से तैयार किए गए 200 गणितीय प्रश्नों को हल करने का प्रयास किया। बहुत से छात्र 200 प्रश्नों के पूरे प्रश्न पत्र को 8 मिनट की अवधि में 3 सेकंड से कम समय में हल करने में सक्षम थे।

तेज दिमाग का ढिया परिचय

प्रतियोगिता में शामिल 810 छात्रों ने अपने तेज दिमाग का परिचय दिया। जिस सवाल को हल हल करने में सामान्य व्यक्ति को 5 से 10 मिनट का समय लग सकता है, ऐसे सवालों को छात्रों ने चंद सेकंड में हल कर दिया। गणित के कठिन सवालों को मिनटों में हल कर सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में रायपुर समेत अन्य जिलों से भी बच्चों ने भाग लिया था।

लाइव इवेंट

डीएसआईएफडी के पासआउट विद्यार्थियों को बांटे डिग्री-सर्टिफिकेट

रायपुर। फैशन डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग और इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स संचालित करने वाले डीएसआईएफडी कॉलेज कैंपस टैगोर नगर में पूर्व छात्र समारोह का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व छात्रों, वर्तमान छात्रों और प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया। इस समारोह ने कॉलेज की प्रतिष्ठा और बढ़ाई, साथ ही हमेशा के लिए यादगार बनाया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि तुलसी कौशिक (निज सहायक मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के साथ मनीष सोनी, प्रसाद शर्मा, भैयालाल ध्रुव, संतोष शुक्ला भी उपस्थित रहे।

पासआउट स्टूडेंट्स को

किया गया।

डिग्री एवं सर्टिफिकेट प्रदान



वर्तमान छात्रों ने अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

समारोह में वर्तमान छात्रों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिनमें इंटीरियर डिजाइनिंग स्टुडेंट्स हर्षा गायकवाड़, हुमिता पटेल, लाली नाहता, फैशन डिजाइन स्टूडेंट्स अंजली, श्रीशा, मृणाली, किरण, सिमरन, विनिता, दिशा और इवेंट मैनेजमेंट स्टूडेंट प्रवेश शर्मा समेत कई छात्र शाँमिल रहे। इस समारोह में कॉलेज के निदेशक राजेश बरलोटा ने भी अपने विचार साझा किए। साथ ही पूर्व छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दीं। इस समारोह को सफल बनाने में मैनेजमेंट टीम की सुरभी सोनी व खुशबू ठाकुर, फैकल्टी फैशन डिजाइनर की वर्षा सिहानी व अंकिता विश्वास, इंटीरियर डिजाइनर की निधि चांडक व दर्शिता जेठवानी और इवेंट मैनेजमेंट फैकल्टी की सरोज साहू समेत कई छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कम समय में बेहतर पढ़ाई के लिए प्रश्न बैंक और मॉडल पेपर के भरोसे रहने से बचे विद्यार्थी...

बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक के लिए सालभर पढ़ाई करना जरूरी, शॉर्टकट से केवल पासिंग नंबर

रिवीजन के लिए प्रश्नपत्र अच्छा माध्यम



10वीं कक्षा के विद्यार्थी आर्यन धुर्जी ने बताया, साल भर स्कूल और ट्यूशन में किताब से पढ़ाई की। अब रिवीजन के लिए नवबोध के प्रश्न बैंक से पढ़ाई कर रहा है। इससे परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का आकलन किया

जा सकता है। जिससे परीक्षा के दौरान सभी प्रश्नों को हल करने में मदद मिलती है।

पास होने के लिए प्रश्नपत्र से पढ़ाई

10वीं कक्षा की छात्रा हर्षिता वर्मा ने बताया, बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए नवबोध और आदर्श उत्तर से पढाई जारी है। पिछली कक्षा 9वीं में गणित विषय में अधिक नंबर नहीं आए, जिसके कारण बोर्ड परीक्षा की तैयारी इन

बीते 3-5 सालों का प्रश्न पत्र होता है, मुझे उम्मीद है कि मैं इस वर्ष अच्छे नंबरों से बोर्ड परीक्षा पास करूंगी।

१०वीं बोर्ड में ८१ प्रतिशत हासिल किए



बताया, बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक के लिए किताब और प्रश्न बैंक दोनों से पढ़ाई जरूरी है। कक्षा 10वीं में बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए दोनों माध्यमों का उपयोग कर 81 प्रतिशत हासिल किया। साल भर

किताबों से कर रही हैं। जिसमें

स्कूल में किताब से पढ़ाई करने के बाद प्रश्न बैंक रिवीजन की तरह काम करता है।

बोर्ड एग्जाम के करीब आते ही छात्रों ने पढ़ाई तेज कर दी है। बाजार में भी कम समय में बेहतर पढ़ाई करने को लेकर मॉडल पेपर से लेकर संभावित प्रश्न पत्र की कई पुस्तक आ चुकी है,

जो कमजोर बच्चों को अब लुभाने लगी हैं। इन पुरतकों में विभिन्न विषयों से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों दिए गए हैं। एग्जाम के करीब आने से बाजार में अब इन पुस्तकों की मांग बढ़ गई हैं।

रायपुर। कई सालों से नवबोध, प्रबोध और अजय माला प्रकाशन द्वारा परीक्षा के कुछ माह पूर्व बीते 3-5 साल का प्रश्न पेपर का प्रकाशन किया जाता है। इसके अनुसार अच्छे अंक के लिए इससे तैयारी फायदेमंद होती है। हरिभृमि टीम ने इस संबंध में शहर के अनुभवी काउंसलर्स ने चर्चा की। उनका कहना है कि कुंजी

और शॉर्टकट के भरोसे विद्यार्थी पढ़ाई ना करें। किताब से पढ़ना अधिक फायदेमंद साबित होता है। जिन बच्चों ने साल भर खेल-कुद और मोबाइल में अपना समय व्यर्थ किया है, उनके लिए यह परीक्षा में पास होने की चाबी है। लेकिन, जिन बच्चों ने साल भर किताब से पढ़ाई की है, उनके लिए यह रिवीजन करने का एक माध्यम है। इस तरह बच्चों को मेरिट के लिए तैयार किया जा सकता है।

परीक्षा में पास होने की टेक्निक

यह टेक्निक कमजोर बच्चों के लिए सबसे फायदेमंद साबित होगी, जिन्होंने साल भर पढाई नहीं की है। कम समय में पास होने की तैयारी की जा सकती है। इसके लिए पांच इंपॉटेंट ट्रिक हैं। पहला किताब के हाईलाइट बॉक्स को पढ़ें, ढूसरा सूत्र या तारीख याद करने के लिए टेबल बनाएं, तीसरा पाठ्यक्रम के सार को समझें, चौथा ट्यूशन और स्कूल में बताए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों की तैयारी करें और पांचवा, जो प्रश्न रिपीट हुए हैं उसे याद करने का प्रयास करें। लंबे समय तक याद रखने के लिए लिखकर याद करें, जिससे परीक्षा में सभी प्रश्नों को समय पर हल करने में मदद मिलेगी।

की पहली पसंद गोल बाजार स्थित थोक व्यापारी भागचन्द्रा ने बताया,

प्रबोध-नवबोध छात्रों

हर साल नवबोध, प्रबोध और अजय माला की बिक्री बड़ी संख्या में होती है। अधिकतर बोर्ड परीक्षा के अभ्यार्थियों की पहली पसंद ये तीन किताबें होती हैं। इसमें प्रबोध और नवबोध का प्रश्न बैंक किताब की खरीदी सबसे अधिक होती है, जिसका प्रकाशन वार्षिक परीक्षा से 2-3 माह पहले ही बाजार में उपलब्ध होता है**।**

पढ़ाई करने वाले बच्चों को प्रश्नबैंक की जरूरत नहीं

की पढाई करेंगे।



प्रश्नबैंक-कुंजी केवल रिवीजन के लिए

काउंसलर स्वेता सिंग राजपूत ने बताया, बोर्ड

केवल रिवीजन के लिए

होता है, इससे अच्छे

अंक हासिल करना

मुश्किल है। साल

बर्बाद करने के बाद

अंतिम समय में अगर

सब कुछ याद करने की

कोशिश करेंगे तो. परीक्षा के

परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने के लिए

किताब का प्रयोग करें। कुंजी या प्रश्न बैंक

वक्त आप भूलने लगेंगे। जिससे मानसिक

रूप से तनाव और घबराहट लगने लगेगा।

किताब में महत्वपूर्ण बिन्दुओं को हाईलाइट

कर लिखा जाता है। इसके साथ ही कम अंक

और आंतरिक प्रश्न किताब से ही पूछे जाते

हैं। ऐसे में प्रश्न बैंक केवल रिवीजन का काम

आता है. जिससे आप केवल पास होने तक

करने वाले बच्चों को कुंजी और प्रश्न बैंक की आवश्यकता नहीं है, उनके नंबर अच्छे नहीं आएंगे। यह केवल कमजोर और साल बरबाद करने वाले बच्चों के लिए है।

अभ्यास के दौरान एकाग्रता जरूरी काउंसलर डॉ. अम्बा सेट्टी ने बताया, बोर्ड परीक्षा के लिए अब कम समय बचा है।

ऐसे में किताब, कुंजी या प्रश्नबैंक को पूरा पढ़ना संभव नहीं है। इस स्थिति में स्कूल और ट्यूशन में पढ़ाया गया महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास करें। लेकिन, अभ्यास के दौरान एकाग्रता के साथ पढ़ाई करें और अपनी पूरी मेहनत उस पढाई में लगा दें।

गणतंत्र दिवस पर २५० छात्र देंगे प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेंगे देशभक्ति गीत



छत्तीसगढ़ सिख संगठन की महिला प्रदेश अध्यक्ष श्वेता अरोरा व पुरुष प्रदेश अध्यक्ष दलजीत सिंह मौजूद रहे। वहीं, जेसीआई वामांजलि से प्रियंका गुप्ता, आकांक्षा, अर्चना द्विवेदी, संगीता व अनन्या आदि उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में तीन तरह से वर्गीकृत किया गया। पहला सोलो डांस, दूसरा ग्रुप डांस व तीसरा फैशन शो। युवाओं ने गिद्धा व



कर दिया। इसकी खासियत यह रही पूरे कार्यक्रम में पंजाबी गानों पर पंजाबी परिधान पहन कर बच्चों ने डांस किया। जिसका लोगों ने खूब लुफ्त उठाया। युवाओं ने ढोल की बींट पर भागड़ा भी किया। जिसे देख लोग उत्साह से भर उठे। इस समारोह में सैकड़ों की तादात में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए।

रायपुर। पुलिस परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस की तैयारी धूमधाम से की जा रही है। प्रत्येक वर्ष की तरह परेड. झांकियां और सांस्कृतिक **गर्यक्रमा का आयाजन किया**

जाना है। गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य के मंत्री भी शामिल होंगे। इस वर्ष परेड प्रभारी का दायित्व प्रफुल्ल कुमार ठाकुर को दिया गया है, इसमें जिला पुलिस बल, पैरामिलिट्टी फोर्स, एनसीसी

स्काउट गाइड, तेलंगाना पुलिस के आर्म्स फोर्स की ट्कडी जैसे 15 प्लाट्न शामिल होने जा रहे हैं। इस दौरान आकर्षक झांकियों के साथ हॉर्स राइडिंग आकर्षण का केंद्र रहेगी।

<u>छात्रों ने शुरू की तैयारी</u>

इस वर्ष मायाराम सुरजन शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए चयन किया गया। विद्यालय को प्राचार्य भावना तिवारी ने बताया, देशभक्ति, लोकगीत पर नृत्य की तैयारी की जा रही हैं**।** गणतंत्र दिवस पर 250 विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके लिए 10 जनवरी से विद्यार्थियों को तैयार किया जा रहा है। इन दिनों पुलिस परेड ग्राउंड में विद्यार्थियों को एकत्र कर तैयारी कराई जा रही है। इस दौरान ४-५ शिक्षकों का समूह छात्रों को अभ्यास कराने में जुटा हुआ है।

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा दो दिवसीय कांफ्रेंस का हुआ समापन

ईसीजी टेस्ट से हृदय रोग की सटीक पहचान इससे धड़कन के कम-ज्यादा का आकलन संभव

कार्नर रायपुर। नई तकनीक से ह्दय रोग संबंधित उपचार सरल हो गया है। बीते 2-3 सालों में चिकित्सा के क्षेत्र में बदलाव देखा गया। 'लीडलेस पेसमेकर' नवीन तकनीकों में शामिल है। जो एक छोटा बैटरी से चलने वाला उपकरण है। जिसे दिल में लगाया जाता है। यह धीमी हृदय गति को ठीक करने में मददगार है। ह्दय रोग मरीजों के शरीर पर इसे पेनलेस ही लगाया जाता है, जो 50 पैसे के सिक्के के बराबर दिखता है। यह कहना है डॉ.स्मित श्रीवास्तव का, जिन्होंने नवीन तकनीकों पर चिकित्सकों को संबोधित किया।

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा दो दिवसीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। रविवार को लगभग 30 से अधिक चिकित्सकों ने अनुभव साझा किया। इसमें इंजेक्शन और दवाई का प्रयोग, इलाज संबंधित नवीन तकनीक और छोटे बच्चों की समस्याओं को लेकर जानकारी दी गई। समापन अवसर पर दिल्ली, मुंबई, इंदौर, भिलाई, लखनऊ जैसे विभिन्न शहरों से चिकित्सक शामिल हुए।



हृदय विकार की समस्या का निवारण

डॉ. नीरज अवस्थी ने कहा, इन दिनों बच्चों से लेकर बुजुर्ग हदय रोग से पीड़ित हैं। बच्चों में भी ह्दय विकार की समस्या होती है। जिसके लक्षण में सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, थकान, बेहोशी और पैरों का सूजना शामिल है। रायपुर के अस्पतालों में ह्वय विकार संबंधित तकनीक मौजूद हैं, जिसकी मदद से बच्चों का इलाज संभव है। हार्ट के रोग की पहचान के लिए ईसीजी टेस्ट कराया जाता है। इससे हृदय के इलेक्टिक सिग्नल को रिकॉर्ड किया जाता है। टेस्ट में व्यक्ति के हार्ट बीट का तेजी या कम होने का पता लगाया जा सकता है।

दिनचर्या में बदलाव हृदय रोग का कारण



डॉ. शैलेन्द्र द्विवेदी ने कहा, व्यक्ति का जीवन शैली में बदलाव ह्दय संबंधित रोग का मुख्य कारण बन गया है। कम व्यायाम, खान-पान शुगर, ब्लंड प्रेशर इसके कारणों में शामिल हैं। अब ह्दय रोग की समस्या का

निवारण दवाइयों और इंजेक्शन के प्रयोग से भी संभव है। ऐसे में हार्ट फेल होने

पर दवाई तैयार की गई है, जिसका तुरंत असर शरीर में देखा जा सकता है।

सिटी लाइव

अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों पर दिया सुझाव, सॉफ्टवेयर का समझाया उपयोग



रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की अर्थशास्त्र अध्ययनशाला में अर्थीमिति पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के वक्ता विक्रम सह-प्राध्यापक प्रबंधन विभाग केके मोदी विवि दुर्ग मौजूद रहे। उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष, आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. रवींद्र के. ब्रह्मो ने दिया। डॉ. ब्रह्मो ने अर्थिमिति के क्षेत्र और महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों पर सुज्ञाव दिया, जिसमें अर्थीमिति उपकरणों का अनुप्रयोग किया जाता है।

उन्नत सॉफ्टवेयर पर किया व्यावहारिक अभ्यास

कार्यशाला के पहले सत्र में प्रतिभागियों ने अर्थिमिति में प्रतिगमन विश्लेषण और अनुसंधान में इसके निहातार्थ के बारे में जानकारी प्राप्त की। दसरे सत्र में प्रतिभागियों को पर्याप्त डेटा सेट के साथ उन्नत सॉफ्टवेयर में व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के प्राध्यापक व कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. बीएल सोनेकर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया**।** इस कार्यशाला में डॉ. अर्चना सेठी, डॉ. प्रगति कृष्णन के साथ-साथ विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं के शोध व एमए के छात्र-छात्राओं

समाज लाइव

ज्योति पंडित की आंखों से दो लोग देख सकेंगे दुनिया

रायपुर। मन में अगर मानव सेवा की प्रबल इच्छाशक्ति हो, तो इसमें कोई भी परिस्थिति बाधक नहीं बन सकती है। चाहे झुलसा देने वाली गर्मी हो या कड़ाके की ठंड। बात कर रहे हैं महाराष्ट्र मंडल के वरिष्ठ सदस्य चौबे कालोनी निवासी दीपक पंडित और उनके संतानों की। जिन्होंने शनिवार की देर रात एक बजे कड़ाके की ठंड में दिवंगत मां ज्योति पंडित का नेत्रदान कराया। उनकी आंखों से अब दो लोगों के जीवन में प्रकाश फैलने वाला है। ज्योति पंडित भले ही परिवार के बीच नहीं रही हैं. लेकिन उनकी आंखों से अब दो लोग दुनिया देख सकेंगे। पंडित परिवार के इस फैसले से आने वाले दिनों में दो लोगों के जीवन में उजाला होने



उजाला देने कराया नेत्रदान

मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने बताया कि नेत्रदान का फैसला स्व. ज्योति पंडित के बेटे निरंजन पंडित एवं बेटी दीपिका देशमख और आरती जोशी का रहा। दुख के समय में इनके फैसले से अंधकारमय जीवन जीने वाले दो लोगों की जिंदगी रोशन हो सकेगी। महाराष्ट्र मंडल के नेत्र और देहदान प्रकोष्ठ के प्रभारी विक्रम हिशीकर ने नेत्र चिकित्यक की त्यवस्था करके रात में मानव सेवा के लिए नेत्रदान कराया। महाराष्ट्र मंडल की कार्यकारिणी ने भी पंडित परिवार के इस निर्णय की सराहना करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

लाइव इवेंट

महावीर जन्म कल्याणक महामहोत्सव समिति के अध्यक्ष बने महावीर कोचर

रायपुर। राजधानी में सकल जैन समाज के सभी घटक एकजुट होकर विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित कर जन्म कल्याणक मना रहे हैं। यह आयोजन सकल जैन समाज द्वारा आयोजित किया जाता है। जिसके लिए महावीर जन्म कल्याणक माह महोत्सव समिति द्वारा प्रति वर्ष अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मिति से समाजजन द्वारा किया जाता है। इस वर्ष अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक (आमसभा) आराधन हाल ऋषभ देव मंदिर सदर बाजार में रात्रि ८ बजे आयोजित की गई। जिसमें अध्यक्ष के लिए महावीर कोचर. महासचिव पद के लिए सिद्धार्थ डागा एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए वीरेंद्र डागा को सर्वसम्मिति से चुना गया। बैठक में उपस्थित समाजजनों ने सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारियों को

श्रुभकामनाएं दीं। इस

अवसर पर विशेष रूप से

महेंद्र कोचर, विजय चोपड़ा,

कमल भंसाली, यशवंत जैन,

उदयराज पारख. मनोज

लूंकड, अनिल बरडिया,

निकुंज साचला, विकास

धाडींवाल, अमित सुराणा,

अतुल कात्रेला उपस्थित रहे।



अध्यक्ष महावीर कोचर ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक महामहोत्सव जैन धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है। २०२५ में महावीर जयंती का आयोजन चैत्र शक्ल की त्रयोदशी तिथि 10 अप्रैल को होगा। इस दिन का जैनों के लिए अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व होता है। क्योंकि, वे जैन धर्म के 24वें और आखिरी तीर्थंकर के जीवन और उनकी शिक्षाओं की स्मृति करते हैं। चैत्र शुक्ल की त्रयोदशी तिथि को महावीर जयंती का आयोजन होता है। भगवान महावीर ने जैन धर्म की स्थापना की और उसके प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 24वें तीर्थकर भेंगवान महावीर को जैन धर्म के संस्थापक और जन्म कल्याणक के रूप में भी माना जाता है। महावीर जन्म महामहोत्सव भारत के एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक प्रतीक भगवान महावीर के जन्म की सार्थक उत्सव है। यह त्योहार जैनों के लिए गहरे सांस्कृतिक और दार्शनिक महत्व के साथ होता है।

राष्ट्रीय पटसन बोर्ड की ओर से अंबुजा मॉल में जूट महोत्सव का आयोजन, जहां लोगों से मिल रहा रिस्पांस

जूट के धागों से बना ईयरिंग व नेकलेस नया फैशन घर सजाने पेंटिंग, सजावटी सामानों पर ठहर रहीं निगाहें

बदलते समय के साथ युवाओं के फैशन में जूट के उत्पाद शामिल हो रहें हैं। फैंसी व जेन्सी दिखने वाले आइटम को युवा खरीदना ज्यादा पसंद करते हैं। इसी को मह्नजर रखते हुए जूट हस्तशिल्पकार भी अपने उत्पादों में तेजी से बदलाव ला रहे हैं। वे ऐसे उत्पाद बना रहे हैं जो युवाओं को अपनी नजर में रास आ जाए। इसके अलावा सरकारें भी चाहती हैं कि हस्तशिल्प कला को देशवासी अपनाएं। वे समय-समय हस्तशिल्पकारों को मंच प्रदान कर रही हैं।

रायपुर। राष्ट्रीय पटसन बोर्ड की ओर से सिटी सेंटर, अंबुजा मॉल परिसर में जूट मेला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आए करीब 20 माइक्रो-जूट उद्यमी, एसएचजी, एनजीओ, एमएसएमई जूट इकाइयां अपने उपभोक्ता उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसमें जूट हस्तशिल्प, फैंसी बैग, शॉपिंग बैग, उपहार आइटम, वॉल-हैंगिंग, फ्रुटवियर, ज्वेलरी, फ्लोर कवरिंग आदि शामिल हैं। साथ ही वे उत्पादों की ब्रिकी भी कर

रहे हैं। हरिभूमि ने रविवार को जूट मेले का

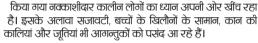


<u>फुटवियर आइटम भी खरीद रहे लोग</u>

जूट के फुटवियर भी लोगों को भा रहे हैं। इन्हें खरीदने लोग दिलचस्पी दिखा रहे हैं। गीता श्री जूट के भागीरथ दास ने बताया कि उनके स्टॉल में जूट की सैण्डल, जूती व चप्पल हैं। इसके अलावा कोल्हापुरी वे राजस्थानी डिजाइन के जूट के फुटवियर भी हैं। इनकी कीमत 250 से 500 रूपए तक हैं। जेन्स व लेडीज दोनों तरह के फ़ुटवियर हैं। दास बताते हैं कि एक जोड़ी फ़ुटवियर एक घंटे में बनकर तैयार हो जाता है।



हस्तशिल्पकारों द्वारा २० स्टॉल लगाए गए हैं। एक तरह के दो-दो स्टॉल लगे हुए हैं। प्रतिदिन मेले में सुबह 11 से रात्रि ८ बजे तक सैकडों लोग पहंच रहे हैं। मनपसंद वस्तुओं की खरीदारी भी कर रहे हैं। मेले में जूट की पेंटिंग पर लोगों की नजर जरूर पड रही है। बेहतरीन हाथ की कलाकारी से तैयार



जूट पेंटिंग सजावट के लिए सबसे उम्दा

ज्ट मेले में बहुत से ऐसे उत्पाद हैं जिनको पहली नजर में देखते ही लोगों को लगेगा, बिन कुछ सोचे- समझे खरीद लेना चाहिए। जूट मेले में सबसे ज्यादा आकर्षण का केन्द्र पेंटिंग बनी हुई है। मेले में आ रहे लोगों की नजर इन पेंटिग पर जरूर कछ पल के लिए ठहर रही है। मो. कैफ ने बताया कि उनके स्टॉल पर जूट की कालीन, डोरमेट, चटाई आदिं हैं, लेकिन पेंटिंग सबसे खास है। इसको बनाने में ६ से ७ घंटे लगते हैं. यदि दो व्यक्ति बराबर काम करते हैं तो। वहीं, साइज के हिसाब से भी समय कम या ज्यादा लगता है। इनकी कीमत 750 से 5000

बैग व सजावटी सामान <u>खरीदने पहुंच रहे लोग</u>

गिफ्ट आइटम लेंने के लिए लोग जूट मेले में पहुंच रहे हैं। जिसमें लोग चिडिया घोंसला. की रिंग, बर्ड बास्केट आदि खरीद रहे हैं। राकेश बताते हैं। कि उनके स्टॉल पर सजावट के कई सामान उपलब्ध हैं, जिसमें जूट का टेबल मार्ट, गणपति व देवी दुर्गा की बैंबू, कपडे और जूट से तैयार किया हैंगिंग आइटम है। इनकी कीमत 50 से १५०० रुपए तक हैं। एज जुट के विश्वनाथ दास ने बताया कि उनके पास जूट के पर्स, टोट बैग, सिलिग बैग, ट्रैवेल बैग, लंच बैग, पेंसिल पाउच आदि हैं। जिनकी कीमत से 100 से

शहीद स्मारक भवन में बीट्स म्यूजिकल ग्रुप का आयोजन

लाइव म्यूजिकल बैंड ने सजाई मधुर गीतों की श्रृंखला, गीत-संगीत सून श्रोता मंत्रमुग्ध

रायपुर। शहर में संगीत प्रेमियों के लिए लाइव म्यूजिकल बैंड के साथ युवा फनकार स्टेज सजाने लगे हैं। इसका लुत्फ उठाने के लिए रविवार की रात रजबंधा मैदान के शहीद स्मारक भवन में श्रोताओं का हुजूम उत्साही नजर आया। वहीं, गीत-संगीत से जोड़ने के लिए बीट्स म्यूजिकल ग्रुप रायपुर ने लोगो को लाइव म्यूाजकल शो का हिस्सा बनने का अवसर दिया। इसके निर्देशक महेश शर्मा और सह निर्देशक आदित्य ठाकुर की अगुवाई में शाम 7 बजे से 11 बजे के बीच कल्याण जी-आनंद जी के मैलोडी सॉग्स से श्रोताओं को जोड़ने का प्रयास किया। इसमें सिंगर्स और श्रोताओं में तालमेल बनाने का दायित्व आकांक्षा दुबे व एलएन लाहोटी ने मंच संचालन करते हुए बखूबी निभाया।



मेरी तमन्नाओं की तकदीर



आनंदजी मैलोडी सॉग्स का आगाज 'सगरे जगत का'...भजन से किया गया। इसके बाद 60 से 90 के दशक में गाए गए गीतों का सिलसिला शुरू हुआ। इसमें मेरी तमन्नाओं की

तकदीर तुम संवार दो' ..., 'जो तुमको हो पसंद वही बात करेंगे...'ओ साथी रे तेरे बिना भी क्या...'इशारों-इशारों में दिल लेने वाले ..., 'तुम्हें याद होगा..., 'तुमको मेरे दिल..., 'क्या खूब लगती हो, बड़ी सुन्दर दिखती हों... की प्रस्तुति से श्रोताओं को झूमने के लिए मजबूर किया। गीतों के बढ़ते क्रम के बीच सिंगर्स लोगों की वाह्वाही लूटने में भी सफल हुए।

पुराने अंदाज में किया पेश

और इस दिल में क्या रखा है..., मै हूं डॉन..., की बेजोड़ प्रस्तुति के साथ ही श्रोताओं को अंतिम कड़ी तक जोड़े रखने के लिए फनकारों ने शानदार गीतों का कलेक्शन किया। मंच पर पुराने अंदाज में ही गीतों को पेश करने का प्रयास किया। इस म्युजिकल प्रोग्राम में बरेंखा बिसेन, मनोहर ठाकुर, आकाश शर्मा, मिनाश्री केशरवानी, शालिनी मिश्रा, आदित्य ठाकुर, मनोज शुक्ला, पप्पू दुल्हानी, अरश जग्गी ने अपनी आवाज के जादू से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। कई युगल गीतों में सुर-ताल के साथ आवाज का जाढू रात 11 बजे

रामलला मंदिर स्थापना पर भव्य दीप यज्ञ की तैयारी

रायपुर। अयोध्या में रामलला के स्थापना दिवस के अवसर पर इस बार धर्म प्रचार समिति बिरगांव में दीप यज्ञ का आयोजन करने वाली है। जहां भव्य आतिशबाजी के साथ उत्सव का माहौल बनने वाला है। वार्ड 24 और 25 में भव्य दीप यज्ञ की तैयारी है। इसके साथ ही पुरे बिरगांव में दीप यज्ञ कराने के लिए वातावरण बनाया जा रहा है। इस संबंध में समिति के सदस्य एव आयोजन के संयोजक सभी वर्गों को किया आमंत्रित भीखम देवांगन ने राम मंदिर निर्माण की खुशी में शनिवार को बिरगांव में ही बताया कि जिस तरह

प्रचार समिति ने बिरगांव में सजाएंगी दीपों की श्रृंखला

बैठक आयोजित की गई। जिसमें भगवान राम की पूजा- अर्चन और दीपोत्सव में शामिल होने के लिए आयोजन समिति द्वारा सभी वर्गों को आमंत्रित किया गया। 22 जनवरी को कार्यक्रम स्थल में 'जय श्रीराम' का नारा गूंजेगा। इसके साथ ही भगवान राम के भजनों की प्रस्तुति भी होगी।

बैठक में उभी को बतारा गरा कि पहली बार सडक किनारे सजाए जाने वाले गेट को दीपों से सजाया जाएगा। इसे सफल बनाने लोग सहयोग करेंगे।

अश्विनी नगर व गोंदवारा में अलग-अलग समाज के लोगों ने किया आयोजन

कार्नर न्यूज

रायपुर। समाज से नई बहुओं को जोड़ने के लिए हर साल की तरह ही अश्वनी नगर स्थित महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन में दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस क्रम में रविवार को अंतिम दिन उत्साह से लोग आयोजन का हिस्सा बने। इसके लिए एक सप्ताह से चल रही तैयारी के बाद सैकड़ों की तादाद में समाज के हर वर्ग ने शिरकत की। इसमें महिलाओं की सहभागिता ज्यादा देखने को मिली। इस वार्षिक स्नेह मिलन में दक्षिण क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी के साथ ही पार्षद मृत्युंजय दुबे भी समाज के बीच पहुंचे।

मंच पर जहां वे एक तरफ समाज के

दुसरी ओर प्रवेश द्वार पर समाज की

महिलाओं से भेंट कराने और हल्दी -

वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान कर रहे थे, वहीं

कुमकुम की परंपरा भी निभाई जा रही थी।

हल्दी- कुमकुम से सुहागिनों ने निभाई परंपरा, उत्साह से सजा वार्षिक स्नेह मिलन

भगवान श्रीराम के 14

वर्ष वनवास के बाद

अयोध्या आने पर दीप

यज्ञ करके दीपावली

मनाई थी, उसी तरह का

माहौल निर्मित करने का

प्रयास है। इसके लिए

सात हजार दीपों की

श्रृंखला भी सजाई

जाएगी।



हर वर्ग के लोगों ने की शिरकत

वहीं. छत्रपति शिवाजी भवन गोंदवारा में दोपहर से देर-शाम तक उत्सव का माहौल रहा। यहां छत्तीसगढ़ प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत मुनेश्वर के साथ ही पदाधिकारी दानेश्वर रावत और अमित डोये के मार्गदर्शन में वार्षिक सम्मेलन के बीच हल्दी-क्रुमकुम की रस्म भी निभाई गई। इसमें परिवार की महिलाओं ने घर में आई बहू को समाज से मिलवाने की परंपरा का निर्वहन किया। आयोजन में इस बार भी समाज से जुड़े हर वर्ग के लोगों ने इसमें भागीदारी निभाते हुए उत्सव का रूप दिया। इसमें युवाओं और बच्चों ने कई तरह की प्रतियोगिताओं का लुत्फ उठाया।



स्कुली बच्चों को मिला गिफ्ट

वार्षिक स्नेह मिलन के पहले दिन शिव तांडव के साथ ही विभिन्न गीतों पर नृत्यों की श्रृंखला सजाने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं ने रविवार को भी प्रस्तुति दी। इस बींच उनका हौसला बढ़ाने के लिए अतिथियों के साथ अध्यक्ष राजकुमार बारबुघे, वीणा कुम्बलकर, विनोद धुर्वे, गौरी शंकर बावनकर प्रमुखं रूप से मौजूद थे। वहीं, व्यवस्था की कमान युवा मंडल के अध्यक्ष राहुल बावनकर और जिंतेन्द्र निर्वाण ने निभाई। इनके मॉर्गदर्शन में खेल, नृत्य, वेंस्ट से बेस्ट बनाने वालों को गिफ्ट ढेकर उनकी हौसला अफजाई की गई।

फिटनेस रूटीन फॉलो करने से

हम सभी अपनी वर्क प्रोडिक्टिविटी को बूस्ट करना

एक्सरसाइज सिर्फ आपकी बॉडी को शेप में लाने और

अच्छा दिखने में ही मदद नहीं करती है, बल्कि इससे

आपका एनर्जी लेवल भी बूस्ट होता है। साथ ही साथ,

आपका स्ट्रेस कम होता है और आप अधिक फोकस्ड

महसूस करते हैं। जिसका सीधा असर आपके काम पर

नजर आता है। यह जरूरी नहीं है कि आप इंटेंस वर्कआउट

ही करें। एक छोटी सी सैर हो, योगाभ्यास या फिर डेस्क

स्ट्रेचिंग, इससे आपको अपने शरीर को अधिक एक्टिव

रखने का मौका मिलता है। जिससे आपको काफी फायदा

मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे

हैं कि एक फिटनेस रूटीन आपकी वर्क प्रोडिक्टिविटी को

सिटी स्पोर्ट्स

स्कूली खेल स्ववैश में छत्तीसगढ़ को रजत



द्वारा 17 जनवरी से 19 जनवरी तक दिल्ली के के .आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल में आयोजित 68 वी स्कूल राष्ट्रीय स्क्वैश चैंपियनशिप 2025 में छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के बालक अंडर-19 वर्ग में रजत पदक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य का नाम गौरवान्वित किया। छत्तीसगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व मलय राठौड़, यश सोनवानी, अरसलान शेख और जीत पारेख ने किया। पहले राउंड में छत्तीसगढ़ की टीम ने असम को 2-0 (11-6, 11-8, व 11-8, 11-7)से हराया। क्वार्टर फाइनल में गुजरात की टीम को 2-0 (11-7, 11-9 व 11-8, 11-9 एवं सेमीफाइनल में तमिलनाडु को 2-1 (9-11,11-8,11-6) से हराकर फाइनल में जगह बनाई 1 फाइनल में महाराष्ट्र से 2-0 से हारकर रजत पदक पर कब्जा किया 1 उक्त जानकारी दिल्ली से टीम मेनेजर व कोच गजेंद्र साह व कोच बुद्धेश्वरी साह ने देते हुए बताया कि सभी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ स्क्वेश एसोसिएशन के निर्देशन में रायपुर डिस्ट्रिक स्क्वाश एसोसिएशन द्वारा संचालित स्क्वैश कॉम्प्लेक्स, बुढ़ापारा में अभ्यास करते है। खिलाडियों के इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ में स्क्वैश के जनक डॉ विष्णु कुमार श्रीवास्तव, रायपुर डिस्ट्रिक स्क्वैश एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार अग्रवाल,जे डी रायपुर राकेश पाण्डेय सहयक संचालक अनिल मिश्रा, डी एस ओ आई पी वर्मा संदीप गोविलकर,प्रकाश कश्यप, केशव जलक्षत्री और राहुल साहू ने खिलाडियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

वूमेंस फुटबॉल में एमजीएम एम्बुश की टीम रही विजेता



रायपुर। छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ द्वारा आयोजित पांचवीं छत्तीसगढ़ स्टेट वूमेंस फुटबॉल लीग चैंपियनशिप के अंतर्गत पंत स्टेडियम में एक मैच एमजीएम एम्बुश एवं युनिवर्सल गर्ल्स एफसी के मध्य खेला गया। जिसमें एमजीएम एम्बश ने 4 - 0 से जीत दर्ज की। एमजीएम एम्बुश की ओर से हिना निर्मलकर ने 18 वें, जानवी साहू ने 45 वें, गुंजन ने 65 वें एवं निशा भोई ने 84 वें मिनट में गोल किया। युनिवर्सल गर्ल्स एफसी की टीम कोई गोल नहीं कर पाई।

साउथ एशियन थाई बॉक्सिंग में छत्तीसगढ़ को मिले ४ स्वर्ण पटक



रायपुर। एशियन थाई बॉक्सिंग फेडरेशन के तत्वावधान में थाई बॉक्सिंग इण्डियन फेडरेशन और मध्यप्रदेश थाई बॉक्सिंग संघ द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर, कोटरा, भोपाल (मध्यप्रदेश) के बॉक्सिंग रिंग मे साउथ एशियन चैंपियनशिप के मकाबले खेले गए। छत्तीसगढ थाई बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष अनीस मेमन, महासचिव लखन कुमार साहू ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन 17 से 19 जनवरी को भोपाल में किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ के चयनित तीन थाई बॉक्सर खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 04 स्वर्ण पदक जीते। उल्लेखनीय है कि इस चैंपियनशिप में भाग लेने छ ग का आमंत्रित 04 सदस्यीय दल भोपाल गया था। चैंपियनशिप के चीफ जज के रूप में राज्य संघ के अध्यक्ष अनीस मेमन तथा दंतेवाड़ा खेल विभाग की कोच टिकेश्वरी साहू को रेफ़री और भारतीय थाई बॉक्सिंग बालिका दल की कोच के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। छत्तीसगढ़ के खिलाडियों में टिकेश्वरी साह (खेल एवँ युवा कल्याण, दंतेवाड़ा) – सीनियर फाइट (- 48 केजी) में स्वर्ण पदकऔर ओपन म्यूजिकल इवेन्ट में स्वर्ण पदक सहित कुल 02 स्वर्ण, मानसी तांडी (रायपुर) – सीनियर फाइट (- 45 केजी) में स्वर्ण पदक, घृतेश साहू (रायपुर) – जूनियर वर्ग (-65 केजी) में फाइट में स्वर्ण पदक शामिल हैं। मेजबान भारत सहित नेपाल, भूटान और श्रीलंका के कुछ महिला, पुरुष खिलाड़ियों की प्रतीकात्मक उपस्थिति के अलावा अन्य विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारतीय दल के चयनित 39 खिलाड़ियों के विभिन्न वजन और आयु वर्ग के बीच स्पर्धा कराई गई। भारतीय दल में चुने गए अधिकांश थाई बॉक्सर खिलाड़ी विगत राष्ट्रीय ओवरऑल राष्ट्रीय चैंपियन महाराष्ट्र के और सेकण्ड रनर अप मध्यप्रदेश के थे। टिकेश्वरी ने म्यूजिकल इवेन्ट में तीन अन्य भारतीय खिलाड़ियों के मुकाबले सर्वाधिक अंक हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया.

लक्षण दिखते ही हो जाएं सावधान, मिलेगी राहत

पुरुष-महिला में अलग तरह के होते हैं हार्ट अटैक के लक्षण , इन संकेतों को किया अनदेखा तो बढ़ सकती हैं मुश्किलें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पुरुष हों या महिला सभी लोगों में हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हार्ट अटैक होने का खतरा अधिक देखा जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि पुरुष और महिला में हार्ट अटैक के लक्षण अलग-अलग

हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं। हृदय रोगों की गंभीर स्थितियों में हार्ट अटैक (दिल का दौरा) का खतरा बढ़ जाता है जिसे जानलेवा माना जाता है। अकेले साल 2021 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हार्ट अटैक के कारण 20 मिलियन (दो करोड़) से अधिक लोगों की मौत हो गई। पिछले कुछ वर्षों के डेटा देखें तो पता चलता है कि अब 30 से कम आयु के लोगों में भी हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसके जोखिमों को देखते हुए सभी उम्र के लोगों को हृदय स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं. पुरुष हों या महिला सभी लोगों में हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हार्ट अटैक होने का खतरा अधिक हो सकता है। इतना ही नहीं हार्ट अटैक से मृत्यु का खत्रा भी महिलाओं में अधिक होता है।

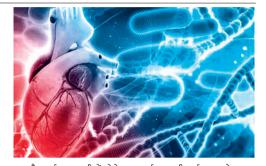


पुरुषों और महिलाओं में हार्ट अटैक

-अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक हर 40 सेकेंड में एक व्यक्ति हार्ट अटैक का शिकार हो रहा है। हृदय रोग पुरुषों और महिलाओं दोनों में मृत्यु का प्रमुख कारण है। जब किसी कारणवश रक्त का संचार आपके हृदय तक नहीं पहुंच पाता है या बाधित हो जाता है, तो इसके कारण हृदय की मांसपेशियों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। ऑक्सीजन के बिना, कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगती है और इनके डेड होने का खतरा रहता है। आइए जानते हैं कि पुरुष और महिला में हार्ट अटैक के क्या लक्षण् होते हैं और कैसे इसकी पहुचान की जा सकती है?

हार्ट अटैक होने पर क्या होता है?

हार्ट अटैक की स्थिति में आपको अपनी छाती में असहजता महसूस हो सकती है। इसके अलावा आपको सांस लेने में तकलीफ बेहोशी या पेट में दर्द जैसी दिक्ततों



का भी अनुभव हो सकता है। कई बार छाती में होने वाला दर्द आपकी गर्दन, जबड़े या कंधों में दुर्दे तक भी फैल सकता है। हार्ट अटैक की स्थिति में पुरुषों को ठंडा पसीना आने और बाएं हाथ में दर्द महसूस होने की समस्या अधिक होती है। पर पुरुषों और महिलाओं में लक्षण एक जैसे हों ये जरूरी नहीं है। आइए जानते हैं कि पुरुषों-महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षणों में कैसे अंतर किया जा सकता है?

महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण

महिलाओं में हार्ट अटैक के असामान्य लक्षण विकसित होने की आशंका अधिक होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कई मामलों में लक्षणों की सही तरीके से पहचान न हो पाने के कारण निदान में गलती हो सकती है जिसके कारण रोग की गंभीरत बढ़ने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। साल २०२३ में किए गए अध्ययनों की समीक्षा के अनुसार हार्ट अटैक की स्थिति में परुष और महिला दोनों ही सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत करते हैं। हालांकि महिलाओं में कुछ लक्षण अलग हो सकते



हैं। शरीर के अलग-अलग हिस्सों में होने वाला दर्द.मतली और उल्टी.सांस फूलना,बहुत ज्यादा पसीना आना, चक्कर ओंं जा पुरुषों में कौन से लक्षण देखे जाते हैं: पुरुषों में दिल के दौरे के लक्षणों में सीने में दर्द होना, सांस लेने में तकलीफ, हाथ, जबड़े, गर्दन या पीठ में दर्द होना बहुत आम है। इसके अलावा सांस लेने में तकलीफ के मामले परुषों में अधिक ढेखे जाते हैं। इस तरह की दिक्कतों के साथ अगर आपको बहुत ज्यादा पसीना आने की समस्या हो रहीं है तो इस हार्ट अटैक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट अटैक एक आपातकालीन स्थिति है। इसके लक्षणों को देखते हुए समय रहते इलाज कराना बहुत् आवृश्यक हो जाता है। इलाज में देरी जानलेवा हो सकती है।

बढ़ती है आपकी वर्क प्रोडिक्टविटी चाहते हैं. जिससे हम वर्कप्लेस में अधिक बेहतर परफॉर्म कर सके। लेकिन अक्सर ऐसा लगता है कि जैसे काम हमारी सारी एनर्जी को खत्म कर रहा है या फिर हम अपने पोटेंशियल के अनुसार काम नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में जरूरी होता है कुछ अतिरिक्त स्टेप उठाना। आपको शायद पता ना हो, लेकिन एक अच्छा फिटनेस रूटीन आपको पूरा दिन काम करने के लिए सुपरचार्ज कर देता है।



किस तरह बेहतर बना सकता है-एनर्जी लेवल होता है बुस्ट



जब आप रेग्युलर एक्सरसाइज करते हैं तो इससे ना केवल थकान कम होती है, बल्कि आपकी ओवर ऑल एनर्जी पर भी अच्छा असर पड़ता है। फोर्ब्स में छपी एक स्टडी के अनुसार, सुबह एक्सरसाइज करने वालों के 129 प्रतिशत अधिक प्रोडिक्टव महसूस करने की संभावना थी, जिसमें 69 प्रतियात ने बताया कि वे रात में व्यायाम करने वालों की तुलना में 61 प्रतिशत अधिक प्रोडिक्टव थे। आपको शायद अंदाजा ना हो, लेकिन रेग्युलर एक्सरसाइज आपको इतनी एनर्जी देती है, जिसकी बराबरी कॉफी नहीं कर सकती। जब आप एक्सरसाइज करते हैं, तो आपका शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और आप अधिक एक्टिव फील

स्ट्रेस होता है कम

काम में डेडलाइन्स से लेकर मीटिंग व गोल्स यकीनन काफी थका देते हैं और व्यक्ति खुद को स्ट्रेस में फील करता है। लेकिन एक अच्छा वर्कआउट तनाव को कम करने का काम करता है। एक्सरसाइज वास्तव में एक स्ट्रेस रिलीवर की तरह काम करती है। जर्नल ऑफ़ ऑक्यूपेशनल एंड एनवायर्नमेंटल मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, मॉडरेट लेवल की फिजिकल एक्टिविटी भी आपको भावनात्मक थकावट को कम करने में मदद करती है, जिससे बर्नआउट कम होता है। चाहे वजन उठाना हो, दौड़ना हो या डांस वर्कआउत करना हो, एक्सरसाइज तनाव हार्मोन कोर्टिसोल के लेवल को कम करने में मदद करता है, जिससे आपको अधिक आराम महसूस होता है।



आर्किटेक्ट क्रिकेट में केरल और तमिलनाडु राष्ट्रीय चैम्पियन, टेटे में ओडिशा रहा विजेता



रायपुर। द इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ऑर्किटेक्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेल स्पर्धा (आईआईएपीएल) के तहत क्रिकेट महिला वर्ग में केरल की टीम चैंपियन बनीं। वहीं पुरुष वर्ग का खिताब तमिलनाडु ने जीता। बैडमिंटन टीम इवेंट में ओडिशा की टीम विजेता रही।

क्रिकेट में महिला और पुरुष वर्ग का फाइनल आज शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट डियम परसदा में खेला गया।

आईआईएपीएल में देशभर के 20 राज्यों से क्रिकेट टीमों ने भाग लिया।महिला वर्ग का फाइनल

 बैडिमंटन में आरती, आकाश विजेता

मुकाबला ओड़िसा और केरल के बीच हुआ। इसमें केरल विजेता बनी। केरल

ने पहले बल्लेबाजी करते

हुए 3 विकेट पर 63 रन बनाए थे। जवाब में ओडिशा की टीम 3 विकेट खोकर 38 रन ही बना पाई। वहीं पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल और फाइनल के मैच हुए। खिताबी मुकाबले में तमिलनाडु चैंपियन बना। तमिलनाडु ने महाराष्ट्र को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। महाराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट गंवाकर 66 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसे तमिलनाडु ने 1 विकेट खोकर पार कर लिया। इसके पहले सेमीफाइनल में तिमलनाडु ने मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र ने राजस्थान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

बैडमिंटन में आरती, आकाश, रमेश विजेता बैडमिंटन प्रतियोगिता में ओपन महिला वर्ग में केरल की आरती विजेता और गुजरात की मुस्कान उपविजेता बनी। डबल्स में राजस्थान की आस्था व कल्पना विजेता, केरल की आरती व अंजना उपविजेता बनी। मिक्स डबल्स में केरल की जोडी रमेश और आरती विजेता, केरल की जोड़ी दानिश और अंजना उपविजेता रही। पुरुष वर्ग के में 40 वर्ष से कम आयु वर्ग में केरल के रमेश चैंपियन बने। उन्होंने केरल के ही दानिश को हराया। 40 वर्ष अधिक आयु वर्ग में आंध्र के दिबय विजेता और कर्नाटक के विनायक उपविजेता बने। डबल्स मुकाबले में कर्नाटक के संदीप व विनायक की जोड़ी ने ओडिशा की गिरधर और नवीन जी जोडी को हराकर खिताब अपने नाम किया। 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में रायपुर के आकाश विजेता बने। उसने फाइनल में मध्यप्रदेश के रमन को पराजित किया।

टेबल टेनिस के टीम इवेंट में ओडिशा से महाराष्ट्र को हराकर खिताब जीता। वही मिक्स डबल्स में गुजरात की जोड़ी महेंद्र और हितेश विजेता बनी। इस जोड़ी ने फाइनल में मध्य प्रदेश के नीरज एवं रवि को जोडी को हराया इसीरह मिक्स डबल्स में महाराष्ट्र के उपेंद्र- शीला विजेता और उडीसा की जोडी शभ श्री -सब्याची उपविजेता बनी।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ऑर्किटेक्स छत्तीसगढ़ चेप्टर के अध्यक्ष सौरभ रहाटगांवकर ने बताया कि पुरस्कार रविवार को होटल बेबीलान वीआईपी रोड में आयोजित भव्य समारोह में विजेता टीमों को ट्रॉफी और अन्य आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्लास्टिक रैप से फूड आइटम्स लपेटना कितना सही



प्लास्टिक रैप, जिसे क्लिंग फिल्म भी कहा जाता है, किचन में सबसे उपयोगी चीजों में से एक है। हम इसे अक्सर फूड आइटम्स को लपेटने, स्टोर करने और ताजगी बनाए रखने के लिए उपयोग करते हैं। लेकिन क्या यह सचमुच फूड प्रिजर्वेशन के लिए सरक्षित है? क्या यह हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तो नहीं है? आइए इस पर विस्तार से चर्चा

प्लास्टिक रैप के फायदे

फूड प्रिजर्वेशनः प्लास्टिक रैप का सबसे बड़ा लाभ यह हैं कि यह खाद्य पदार्थों को ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। जब हम इसे खाद्य पदार्थों के ऊपर लपेटते हैं, तो यह हवा, नमी और गंदगी से बचाने का कार्य करता है, जिससे खाने की गुणवत्ता और स्वाद में कोई बदलाव नहीं आता। खासकर, सब्जियां, फल और अन्य ताजे खाने की चीजें लंबे समय तक ताजगी बनाए रखती हैं।

इस्तेमाल में आसानः प्लास्टिक रैप को इस्तेमाल करना बहुत आसान होता है। यह किसी भी आकार और रूप में लपेटने के लिए लचीला होता है और इसका उपयोग बेहद सरल है। चाहे आप किसी कटोरे को ढकना चाहें या किसी पकोड़े को लपेटना हो, प्लास्टिक रैप के साथ यह काम करना बहुत आसान होता है। जब खाने की वस्तु को प्लास्टिक रैप से लपेटते हैं, तो यह नमी को बनाए रखता है, जो खाद्य पदार्थों के लिए अच्छा होता है, खासकर जब वे सूखने की संभावना रखते हैं, जैसे कि ब्रेड या पके हुए बचे हुए खाने के लिए। यदि आप प्लास्टिक रैप का इस्तेमाल कम करना चाहते हैं, तो ऐसे कई विकल्प उपलब्ध हैं जिन्हें आप इनकी जगह इस्तेमाल कर सकते हैं।

Contact For

Advertisement

79871 19756

90981 38778





MODULAR KITCHEN AND HARDWARE

🕿 0771-4903490

🛈 SHOP NO. 1 AND SHOP NO. 2 LAKE VIEW APARTMENT, BANDHA TALAB, GANJPARA, DURG, CHHATTISGARH 491001

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस | पुराना गद्दा लाये, नया ले जाये

रुई गद्दा

कम्बल रजाई | सोफा कमबेड | सोफा कव्हर चादरे 9x9 रजाई-गद्दा

निराकांरी फर्नीचर के पीछे, कांच घर गोडाऊन के पास, पंडरी रायपुर सजय <mark>रुड़ भेडार</mark> | 9827976266, 7987918262

प्रोटेक्टर

कम्फर्ट दोहड



फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सुपरमैन फेम हेनरी कैविल की गर्लफ्रेंड नताली और बच्चे के साथ तस्वीर वायरल

हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हेनरी कैविल और उनकी

नताली विस्कुसो हाल हीं में अपने पहले बच्चे के माता-पिता बने हैं। इस



का उन्होंने आधिकारिक तौर पर ऐलान अभी नहीं किया है, लेकिन दोनों को ऑस्ट्रेलिया में एक बेबी कैरिज के साथ चलते हुए देखा गया। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आने के बाद हर तरफ उनके माता-पिता बनने के कयास लगने शुरू हो गए हैं। अप्रैल 2024 में कैविल ने यह पुष्टि की थी कि वह और नताली अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। इस मौके पर कैविल ने एंटरटेनमेंट मीडिया आउटलेट 'एक्सेस हॉलीवुड' से कहा था, ₹मैं बहुत उत्साहित हूं। नताली और मैं दोनों इस बारे में बेहद खुश हैं। मुझे यकीन है कि आप लोग जल्द ही इस बारे में और भी ज्यादा जानेंगे।₹ हेनरी कैविल और नताली ने इंस्टाग्राम पर अप्रैल 2021 में आधिकारिक तौर पर जोड़े के रूप में साथ होने का एलान किया था। उन्होंने अपनी एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें दोनों शतरंज खेलते हुए नजर आ रहे थे। इस जोड़े ने 2022 के अंत में न्यूयॉर्क सिटी में 'एनोला होम्स 2' फिल्म के प्रीमियर के दौरान रेड कार्पेट पर अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दी थी। इसके अलावा कैविल और नताली एक साथ 'वारहैमर 40,000' नाम के मिनिएचर वॉरगेम का स्क्रीन अडैप्टेशन भी बना रहे हैं। कैविल के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही 'इन द ग्रे' फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसमें उनके साथ जैक जिलेनहाल और

मेरलापाका के साथ वरुण नजर आएंगे इंडो-कोरियन की हॉरर फिल्म में

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता वरुण तेज ने फिल्म मुकुंदा से

अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कांचे, फिदा, थोली प्रेमा और गड्डालकोंडा



गणेश जैसी फिल्मों के जरिए दर्शकों का दिल जीता। आज वरुण के जन्मदिन पर उनकी आगामी कोरियन हॉरर कॉमेडी फिल्म वीटी 15 का पोस्टर शेयर किया है, जो उनके प्रशंसकों के लिए वरुण की बर्थ डे का रिटर्न गिफ्ट है। तेलुगु सिनेमा के अभिनेता वरुण तेज ने फिल्म मुकुंदा से अपने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कांचे, फिदा, थोली प्रेमा और गड्डालकोंडा गणेश जैसी फिल्मों के जरिए दर्शकों का दिल जीता। आज वरुण के जन्मदिन पर उनकी आगामी कोरियन हॉरर कॉमेडी फिल्म वीटी 15 का पोस्टर शेयर किया है, जो उनके प्रशंसकों के लिए वरुण की बर्थ डे का रिटर्न गिफ्ट है।साउथ अभिनात वरुण तेज फिल्म मटका के बाद अब एक इंडो-कोरियाई हॉरर कॉमेडी के साथ वापसी के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का नाम वीटी 15 रखा गया है, जिसमें कई रोमांचक पहलुओं के साथ कॉमेडी भी देखने को मिलेगी। वरुण तेज के जन्मदिन के अवसर पर निर्माताओं ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है। पोस्टर में एक रहस्यमयी जार दिखाया गया है, जिस पर ड्रैगन का डिजाइन है और एक कपडा जल रहा है, साथ ही अभिनेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी गई हैं। टैगलाइन सस्पेंस और कॉमेडी के अनूठे मिश्रण की ओर इशारा करती है रजब शिकार करना मजेदार हो जाता है।₹ यह फिल्म दो पावरहाउस प्रोडक्शन हाउस और एपिक एंटरटेनमेंट का इंतजार कर रही है। यूवी क्रिएशन्स और फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट अविश्वसनीय रूप से बहुमुखी अभिनीत एक इंडो-कोरियाई हॉरर कॉमेडी लाने के लिए एक साथ वापस आ गए हैं।

छत्तीसगढ़ में बनीं हिंदी फिल्मों के गाने जारी, पसंद कर रहे लोग

भिलाई टाकीज पिक्चर्स, वान्या फिल्म्स प्रोडक्शन और





कॉम पर, रिलीज हो चुके हैं। ओम त्रिपाठी, बाली कुरें और नेहा शुक्ला की मुख्य भूमिकाओं वाली, फिल्म के लेखक-निर्देशक गुलाम हैदर मंसूरी तथा निर्माता कैलाश चंद्र अग्रवाल, निम्मी रोशन सवाने और ग़ुलाम हैदर मंसूरी हैं। फिल्म में कुल चार गीत हैं। जिनमें से तीन गीत, कलयुग के भगवान, जी लो जदिगी और मंजलों को आज कर ले तु फतेह का ऑडियो, गाना डॉट कॉम और जियो सावन पर रिलीज़ किया गया है। इसके अलावा फिल्म का चौथा गीत तेरे नैना बावरे कुछ दिनों के बाद रिलीज किया जाएगा। फिल्म मानव मार्केट के जरिये, स्वास्थ्य सेवा के नाम पर हो रहे व्यापार को, जनता के सामने लाने की कोशिश की गई है। फिल्म के पोस्टर का विमोचन, कुछ महीनों पहले रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के द्वारा किया गया है। फिल्म के तीन गीतों के संगीतकार प्रदीप साटिया और अनुग्रह जाइडन तथा एक गीत तेरे नैना बावरे के संगीतकार सेराज अहमद हैं। गीतकार, ग़ुलाम हैदर मंसूरी, भरत द्विवेदी, राहुल मंत्रा और अनुग्रह जाइडन हैं तथा गीतों को आवाज दी है। मीरा त्रिपाठी, राहुल मंत्रा, इरफान जिंदरान और ज़ोहेब अहमद ने।

स्पोर्टकोर ट्रेंड एथलेटिक कपड़ों को ठाठ, फैशनेबल तत्वों के साथ मिलाता है। मिउ मिउ और लैकोस्टे जैसे डिजाइनरों ने अपने संग्रह में प्लीटेड टेनिस स्कुर्ट और वर्सिटी स्वेटर जैसे स्पार्टी पीस को शामिल किया है और उन्हें एक सुरुचिपूर्ण मोड़ दिया है। स्पोर्ट्स ड्रेस में इन दिनों यह सब ट्रेंड में है।

स्पोर्ट्स ड्रेस का ट्रेंड

विंटर में अपनी स्किन की जरूरत के अनुसार चुनें क्लींजर

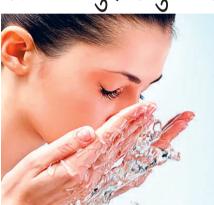
जिस तरह हर किसी की स्किन टाइप अलग होती है, ठीक वैसे ही स्किन की जरूरतें भी अलग होती हैं और उन्हें समझते हुए क्लींजर को चुनना चाहिए। फिर चाहे आप स्किन के रूखेपन की समस्या से जुझ रहे हों या फिर ऑयली पैच आपको परेशान कर रहे हों, एक सही क्लींजर आपकी स्किन की बेहतर देखभाल कर सकता है। ठंड के मौसम में अपनी स्किन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आपको किस तरह के क्लींजर को चुनना चाहिए,यह जरूर जानिए-

रूखी रिकन के लिए क्लींजर

ठंड के मौसम में स्किन काफी रूखी हो जाती है और अगर आपकी स्किन पहले से ही रूखी है तो आपकी समस्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है। इस मौसम में अपनी स्किन की जरूरतों को समझते हुए आपको एक जेंटल मॉइश्चराइजगि क्लींजर को चुनना चाहिए। जिससे आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल ऐसे ही बने रहें। आप अपनी स्किन की जरूरत के अनुसार क्रीम-बेस्ड या ऑयल बेस्ड क्लींजर चुनें। आपको जेल बेस्ड क्लींजर से बचना चाहिए। जर्नल ऑफ़ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, फोमिंग क्लींजर की तुलना में क्रीम-बेस्ड क्लींजर स्किन से नेचुरल ऑयल को हटाने की संभावना कम होती है, जिसकी वजह से वें रूखी स्किन के लिए एकदम सही

ऑयली स्किन के लिए क्लींजर

सर्दियों में ठंडी हवा शायद आपकी स्किन को ऑयली ना बनाए, लेकिन फिर भी यह चिपचिपी हो सकती है। खासकर इनडोर हीटिंग की



वजह से ऐसा होना लाजमी है। ऐसे में अपनी स्किन की देखभाल करने के लिए आप एक जेंटल जेल या फोम क्लींजर का उपयोग करें। ये आपकी स्किन पर हार्श हुए बिना ऑयल को बैलेंस करने में मदद करता है। आप सैलिसिलिक एसिड या टी ट्री ऑयल जैसे इंग्रीडिएंट युक्त क्लींजर को चुनें।

कॉम्बिनेशन स्किन के लिए क्लींजर

ठंड के मौसम में कॉम्बिनेशन स्किन आपको परेशान कर सकती है, क्योंकि कुछ एरिया रूखे महसूस हो सकते हैं, वहीं कुछ ऑयली दिखाई देते हैं। इस तरह की स्किन के लिए जेल-बेस्ड या क्रीम बेस्ड क्लींजर का चयन किया जा सकता है।

कॉरपोरेट इवेंट के लिए साड़ी होनी चाहिए कुछ अलग, खरीदते वक्त रखें ध्यान



जब कभी कोई कॉरपोरेट इवेंट होता है, तो उसकी सही तरह से तैयारी करना बेहद जरूरी होता है। यूं तो अक्सर कॉरपोरेट इवेंट्स

के लिए हम प्रोफेशनल लुक कैरी करना चाहते हैं और इसलिए ब्लेजर के साथ पैंट को स्टाइल करते हैं। लेकिन कॉरपोरेट इवेंट्स में एथनिक वियर जैसे साड़ी पहनना भी अच्छा विचार हो सकता है। यह ना केवल आपको अधिक खुबसूरत दिखाते हैं, बल्कि आपका लुक प्रोफेशनल भी नजर आता है। हालांकि, साड़ी में अपने ग्रेसफुल प्रोफेशनल लुक को बैलेंस करना कभी-कभी टफ टास्क हो सकता है।



फैबिक को नजरअंदाज करना

कॉरपोरेट इवेंट के लिए साड़ी खरीदते समय फैब्रिक को नजरअंदाज करना एक बड़ी गलती साबित हो सकती है। दरअसल, कॉरपोरेट इवेंट घंटों तक चल सकते हैं, और ऐसे में ब्रोकेड, स्टिफ सिल्क या स्क्रैची नेट फैब्रिक को चुनना आपके लिए परेशानी भरा हो सकता है। इसलिए, कोशिश करें कि आप शिफॉन, जॉर्जेट, क्रेप या कॉटन सिल्क जैसे लाइट फैब्रिक की साडी हो चुनें। इन्हें ना केवल अच्छी तरह से ड्रेप करना आसान होता है, बल्कि इन्हें संभालना भी काफी आसान होता है। इससे आपको हैवीनेस वाली फील नहीं आती है।

हैवी एंब्रायडरी चनना

अक्सर हम कॉरपोरेट इवेंट में स्टाइलिश दिखने के लिए हैवी एंब्रायडिड साड़ी को चुनते हैं। लेकिन वास्तव में ऐसा करने से बचना चाहिए। जब आप हैवी एंब्रायडरी या ग्लिटरी सीक्वेंस बेस्ड साड़ी को चुनते हैं तो इससे आपको प्रोफेशनल लुक नहीं मिलता है। बल्कि ऐसा लगता है कि आप किसी शादी या फंक्शन का हिस्सा बनने जा रही हैं। हालांकि, इसका मतलब यह कर्ताई नहीं है कि आप कॉरपोरेट इवेंट के लिए बिल्कुल प्लेन साड़ी चुनें। आप चाहें तो कुछ सटल डिजाइन जैसे छोटे मोटिफ, मिनिमल एंब्रायडरी या फिर हल्का जरी वर्क चुन सकती हैं।

कलर को लेकर गड़बड़ करना

जब आप कॉरपोरेट इवेंट के लिए साड़ी खरीद रही हैं तो आपको कलर पर खासा ध्यान देना चाहिए। इसे अक्सर हम नजरअंदाज कर देते है।

साड़ी पहनते वक्त सेफ्टी पिन से फट गया ब्लाउज तो ऐसे कीजिए फटाफट रिपेयर

साडी पहनते समय ब्लाउज पर इसे समेटने के लिए अक्सर महिलाएं सेफ्टी पिन का इस्तेमाल करती हैं। इससे कई बार ब्लाउज फट जाता है। अगर आपका ब्लाउज सेफ्टी पिन से फट गया है, तो यहां दिए गए कुछ टिप्स की मदद से आप अपनी समस्या को तुरंत हल कर सकती हैं।

डबल साइडेड टेप का करें इस्तेमाल

जब आपको जल्दबाजी में कहीं निकलना हो और उसी वक्त आपका ब्लाउज सेफ्टी पिन से फट गया हो, तो उसपर सिलाई करना मश्किल होता है। ऐसे में. आप डबल साइडेड टेप से फटी हुई जगह को चिपका सकती हैं।हालांकि, यह केवल अस्थायी उपाय है। इसे बाद मेंआपकोठीक करने के लिए अन्य तरीके अपनाने होंगे।

सुई-धागे से तुरंत सिलाई करें

अगर ब्लाउज हल्का फट गया है, तो सुई-धागा लेकर तरंत उसे सिल सकती हैं।ध्यान दें कि धागे का रंग ब्लाउज से मेल खाता हो, ताकि सिलाई बाहर से नजर न आए और आपके ब्लाउज की खूबसूरती बनी रहे।साड़ी

कुछ चीजें सदाबहार होती हैं। फैशन इंड्रस्ट्री में भी आपको

ऐसी कई चीजें देखने को मिल जाएंगी। इनमें से कुछ पेसली पैटर्न इन्हीं में से एक हैं। भारत

में इस पैटर्न को केरी के नाम

से भी जाना जाता है। जी हां,

उगता है, तो वो इसी आकार का

नजर आता है। भारतीय फैशन

इंडस्ट्री में यह बहुत ही प्रचलित

पैटर्न है और प्राचीन भी। हैरानी

की बात तो यह है कि अब

आधुनिक फैशन ट्रेंड्स में भी

इस पैंटर्न ने अपनी जगह बना

ली हैं। आपको केवल एथनिक

आउटफिट्स में भी इस तरह के

मगर यह प्रिंट असत्तिव में कैसे

आया और इसका महत्व क्या है

यह जानने के लिए हमने बात

की आर्ट क्योरेटर एंव आर्टिस्ट

"प्राचीन समय में डिजाइन,

मनीषा गावड़े से। वह कहती हैं,

पैटर्न और चिन्हों के अर्थ हुआ

पैटर्न देखने को मिल जाएंगे।

ही नहीं बल्कि वेस्टर्न

आम का फल जब पेड़ पर



पहनते समय हमेशा ध्यान रखें कि आप एक अच्छी क्वालिटी की सेफ्टी पिन का इस्तेमाल

एंब्रॉयडरी या डिजाडनिंग से कवर करें

अगर फटा हुआ हिस्सा बड़े क्षेत्र में है, तो एंब्रॉयडरी या स्टोन वर्क से उसे छिपाने में आप कामयाब हो सकती हैं। अगर आप क्रिएटिविटी जानती हैं, तो खुद ही कर सकती हैं। वरना इसेकिसी प्रोफेशनल टेलर से करवाना ज्यादा बेहतर हो सकता है।पिन को ब्लाउज या साडी में अधिक जोर से न लगाएं। इससे ब्लाउज के फटने की संभावना कम हो सकती है।

फ्री के केराटिन ट्रीटमेंट से आप पा सकती हैं बेहद खूबसूरत बाल

बालों को खूबसूरत अंदाज देने के लिए अब बाजार में बहुत सारे ट्रीटमेंट्स आ चुके हैं। इन ट्रीटमेंट्स की मदद से आपके बाल सिल्की, स्मूद और चमकदार बन सकते हैं। मगर इस ट्रीटमेंट्स को बाजार में कराने के लिए आपको काफी पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। कई बार ट्रीटमेंट के बाद भी बहुत कम समय के लिए ही उसके प्रभाव में नजर आते हैं। इन ट्रीटमेंट्स में से एक है हेयर केराटिन। आपको कई पार्लर में यह ट्रीटमेंट 2000 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक में मिल जाएगा। मगर आप घर में फ्री में भी बालों को यह ट्रीटमेंट दे सकती हैं। इस बारे में हमारी बात ब्यूटी एक्सपर्ट पूनम चुघ से हुई है। वह कहती हैं, ₹केराटीन एक तरह का प्रोटीन होता है। बालों को भी सबसे ज्यादा प्रोटीन की ही आवश्यकता पड़ती है, ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप ऐसी घरेलू चीजों का प्रयोग करें. जो प्रोटीन रिच हों। आप इनसे होममेड केराटीन रिच हेयर मास्क तैयार कर सकती हैं। ₹



होममेड केराटिन हेयर मास्क

सबसे पहले एक बर्तन में अंडे का सफेद भाग निकाल लें और उसे अच्छे से फेंटें।। अंडे का सफेद भाग प्रोटीन से भरपूर होता है, जो बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है। यह बालों को पोषण देने के साथ-साथ उनके गिरने को भी रोकता है। अब इसमें विटामिन-ई कैप्सूल का तेल डालें। विटामिन-ई बालों को नमी देने के साथ-साथ उनके टूटने और झडने को कम करता है।

कानर न्यूज

फैशन के गलियारों में धूम मचा रहा है यह खास पैटर्न, जानें इससे जुड़े कुछ बेहद रोचक तथ्य

फैशन में केरी या पेसले पैटर्न आज का नहीं बल्कि 11 वीं सदी से अब तक है लोकप्रिय, लोग अपनातें हैं इसे शान से



क्या होते हैं पेसली पैटर्न ?

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार, ₹पेसली पैटर्न जटिल और घुमावदार आकार के होते हैं। यह आम की केरी यानी अम्बी से तो मिलते तो अपने साथा यह प्रिंट भी वहां ले गए।

जुलते हैं ही, साथ ही इन्हें भारतीय देवदार (पाइन-कोन) की डिजाइन पर आधारित माना जाता है। फैशन की भाषा में इसे बूटा कहा जाता है, फारसी भाषा में इसका अर्थ फूल होता है।

क्या पेसली प्रिंट का इतिहास ?

ऐसा माना जाता है कि इस पैटर्न का इतिहास 2000 वर्षों से भी अधिक है। मनीषा कहती हैं, ₹ इसकी उत्पत्ति 11वीं सदी में भारत के कश्मीर क्षेत्र में हुई, ऐसा माना जाता है। जोरास्ट्रियन धर्म में इसे प्रजनन शक्ति का प्रतीक माना गया है। भारती मान्यताओं के अनुसार भी इसका शेप महिला के गर्भ जैसा ही होता है, इसलिए इसे उन्हीं से जोडा जाता है। ₹ मुगल शासन के दौरान पेसली पैटर्न को राजा महाराजाओं के कपड़ों, सिंहासनों और ताज पर भी देखा गया है। वहीं कश्मीर में बनने वाली पश्मीना शॉल में भी यह पैटर्न सबसे लोकप्रिय है। 16वीं सदी में कश्मीरी शॉल यूरोप में पहुंचे,



जिससे यह डिजाइन यूरोपीय फैशन का भी हिस्सा बना गया है।

कैसे पड़ा 'पेसली' नाम?

भारत और ईरान से ज्यादा वेस्टर्न कंटीज में इस पैटर्न को लोकप्रियता मिली। जब कश्मीरी शॉल्स को यूरोपीयन महारानियों ने अपनी वॉर्डरोब का हिस्सा बनाया, तो वहां भी इन शॉलों का निर्माण शुरू हुआ। 19वीं सदी में स्कॉटलैंड के पेसली नामक शहर ने इन शॉल्स का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया।